राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,27सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –241 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में कृषि बिलों के विरोध में कांग्रेस, NCP, अभी तक शिवसेना की चुप्पी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में दो दलों - कांग्रेस और महाराष्ट्र के राकांपा - विकास अगाड़ी गठबंधन ने घोषणा की है कि वे रविवार को संसद में भारी विरोध के बीच पारित किए गए कृषि कानूनों को लागू नहीं करेंगे। शिवसेना, जिसके मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सरकार प्रमुख हैं, अभी तक इस मुद्दे पर अपनी स्थिति सार्वजनिक नहीं कर पाई है, हालांकि वह बिलों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करती रही है। उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता अजीत पवार ने कहा कि राज्य में कृषि के साथ-साथ मजदूरों के बिल भी लागू नहीं किए जाएंगे। राज्य के राजस्व मंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रमुख बालासाहेब थोराट ने कहा कि सभी सत्तारूढ़ दल नए अधिनियमित कानूनों के खिलाफ हैं और राज्य में उन्हें लागू नहीं करने का निर्णय सामूहिक रूप से विचार-विमर्श के बाद लिया जाएगा। कांग्रेस और एनसीपी ने तीन कृषि बिलों के पारित होने का विरोध करने के लिए किसानों द्वारा देशव्यापी विरोध का समर्थन किया। अखिल भारतीय किसान सभा, स्वाभिमानी शेतकरी संगठन, लोक संघर्ष मोर्चा जैसे विभिन्न किसान संगठनों ने बिलों का विरोध करने के लिए शुक्रवार को महाराष्ट्र में कम से कम 21 जिलों में विरोध मार्च निकाला, राजमार्गों को जाम किया, बिलों की प्रतियां जलाईं और मानव श्रृंखला बनाई। केंद्र सरकार द्वारा बिल वापस न लिए जाने पर किसान संगठनों ने विरोध तेज करने की घोषणा की है। अजीत पवार ने कहा ये बिल जल्दबाजी में पारित किए गए। हम बिलों की वैधता का अध्ययन कर रहे हैं। उन्हें राज्य में लागू नहीं करने का आह्वान किया है, । उनके कैबिनेट सहयोगी बालासाहेब थोराट ने भी बिलों के खिलाफ बात की और कहा ÷हम उनका पुरजोर विरोध करते रहे हैं। थोरट ने कहा, हम राज्य में उनके कार्यान्वयन के खिलाफ कदम उठाने के लिए कानूनों पर चर्चा करेंगे। शिवसेना ने लोकसभा में बिलों का समर्थन करने और राज्यसभा में वॉकआउट करने के लिए महाराष्ट्र भाजपा नेताओं की आलोचना की है।

UN में स्थायी सीट के लिए पीएम मोदी ने ठोकी ताल, पूछा-

कब तक इंतजार करेगा भारत

नई दिल्ली:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की 75वीं वर्षगांठ को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 8-9 महीने से पूरा विश्व कोरोना वैश्विक महामारी से संघर्ष कर रहा है। इस वैश्विक महामारी से निपटने के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र कहां है? एक प्रभावशाली **Response** कहां है? संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रियाओं में बदलाव, व्यवस्थाओं में बदलाव, स्वरूप में बदलाव, आज समय की मांग है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग संयुक्त राष्ट्र के **reforms** को लेकर जो **Process** चल रहा है, उसके पूरा होने का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। भारत के लोग चिंतित हैं कि क्या ये **Process** कभी **logical end** तक पहुंच पाएगा। आखिर कब तक भारत को संयुक्त राष्ट्र के **decision making structures** से अलग रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक ऐसा देश, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, एक ऐसा देश, जहां विश्व की 18 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या रहती है, एक ऐसा देश, जहां सैकड़ों भाषाएं हैं, सैकड़ों बोलियां हैं, अनेकों पंथ हैं, अनेकों विचारधाराएं हैं। जिस देश ने वर्षों तक वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने और वर्षों की गुलामी, दोनों को जिया है, जिस देश में हो रहे परिवर्तनों का प्रभाव दुनिया के बहुत बड़े हिस्से पर पड़ता है, उस देश को आखिर कब तक इंतजार करना पड़ेगा?

पूरे विश्व को परिवार मानते हैं

मोदी ने कहा कि हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं। यह हमारी संस्कृति, संस्कार और सोच का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत ने हमेशा विश्व कल्याण को ही प्राथमिकता दी है। भारत जब किसी से दोस्ती का हाथ बढ़ाता है, तो वो किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं होती। भारत जब विकास की साझेदारी मजबूत करता है, तो उसके पीछे किसी साथी देश को मजबूर करने की सोच नहीं होती। हम अपनी विकास यात्रा से मिले अनुभव साझा करने में कभी पीछे नहीं रहते। उन्होंने कहा कि **Pandemic** के इस मुश्किल समय में भी भारत की **pharmaceutical industry** ने 150 से अधिक देशों को जरूरी दवाइयां भेजीं हैं।

मोदी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े वैक्सीन उत्पादक देश के तौर पर आज मैं वैश्विक समुदाय को एक और आश्वासन देना चाहता हूं। भारत की **Vaccine Production** और **Vaccine Delivery** क्षमता पूरी मानवता को इस संकट से बाहर निकालने के लिए काम आएगी। विश्व के सब से बड़े लोकतंत्र होने की प्रतिष्ठा और इसके अनुभव को हम विश्व हित के लिए उपयोग करेंगे। हमारा मार्ग जनकल्याण से जगकल्याण का है। भारत की आवाज़ हमेशा शांति, सुरक्षा, और समृद्धि के लिए उठेगी।

Reform-Perform-Transform से करोड़ों भारतीयों का जीवन में आया बदलाव

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आवाज़ मानवता, मानव जाति और मानवीय मूल्यों के दुश्मन- आतंकवाद, अवैध हथियारों की तस्करी, ड्रग्स, मनी लाउंडरिंग के खिलाफ उठेगी। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, संस्कार, हजारों वर्षों के अनुभव, हमेशा विकासशील देशों को ताकत देंगे। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में, **Reform-Perform-Transform** के मंत्र के साथ भारत ने करोड़ों भारतीयों के जीवन में बड़े बदलाव लाने का काम किया है। ये अनुभव, विश्व के बहुत से देशों के लिए उतने ही उपयोगी हैं, जितने हमारे लिए। पीएम ने कहा कि सिर्फ 4-5 साल में 400 मिलियन से ज्यादा लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना आसान नहीं था। लेकिन भारत ने ये करके दिखाया। सिर्फ 4-5 साल में 600 मिलियन लोगों को **Open Defecation** से मुक्त करना आसान नहीं था। लेकिन भारत ने ये करके दिखाया। आज भारत **Digital Transactions** के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में है। आज भारत अपने करोड़ों नागरिकों को **Digital Access** देकर **Empowerment** और **Transparency** सुनिश्चित कर रहा है।

भारत को कब तक करना पड़ेगा इंतजार

पूरे विश्व समुदाय के सामने एक बहुत बड़ा सवाल है कि जिस संस्था का गठन तब की परिस्थितियों में हुआ था, उसका स्वरूप क्या आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि अगर हम बीते 75 वर्षों में संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियों का मूल्यांकन करें, तो अनेक उपलब्धियां दिखाई देती हैं। अनेक ऐसे उदाहरण भी हैं, जो संयुक्त राष्ट्र के सामने गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता खड़ी करते हैं।

आतंकवाद ने बहाई खून की नदियां

पीएम मोदी ने ये बात सही है कि कहने को तो तीसरा विश्व युद्ध नहीं हुआ, लेकिन इस बात को नकार नहीं सकते कि अनेकों युद्ध हुए, अनेकों गृहयुद्ध भी हुए। कितने ही आतंकी हमलों ने खून की नदियां बहती रहीं। इन युद्धों में, इन हमलों में, जो मारे गए, वो हमारी-आपकी तरह इंसान ही थे। उन्होंने कहा कि वो लाखों मासूम बच्चे जिन्हें दुनिया पर छा जाना था, वो दुनिया छोड़कर चले गए। कितने ही लोगों को अपने जीवन भर की पूंजी गंवानी पड़ी, अपने सपनों का घर छोड़ना पड़ा। उस समय और आज भी, संयुक्त राष्ट्र के प्रयास क्या पर्याप्त थे?

डीयू दाखिले का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 में दाखिला के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिसके तहत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए डीयू पहली कटऑफ 12 अक्टूबर को जारी करेगा। इसके आधार पर छात्र कॉलेजों में 12 से 14 अक्टूबर तक दाखिला ले सकेंगे। वहीं 16 अक्टूबर तक फीस जमा करा सकेंगे।

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कुल 6 कटऑफ जारी करेगा डीयू-डीयू स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए कुल कटऑफ जारी करेगा। जिसमें 5 कटऑफ सामान्य तो 1 कटऑफ विशेष अभियान के लिए जारी की जाएगी। डीयू से मिली जानकारी के मुताबिक दूसरी कटऑफ 19 अक्टूबर को जारी होगी। जिसके आधार पर 19 से 21 अक्टूबर तक दाखिला ले सकेंगे। तो वहीं फीस जमा 23 अक्टूबर तक की जा सकेगी। इसी तरह तीसरी कटऑफ 26 अक्टूबर को जारी होगी। जिसके आधार पर 26 से 28 पर दाखिला ले सकेंगे। तो वहीं फीस जमा 30 अक्टूबर तक की जा सकेगी। जबकि चौथी कटऑफ 2 नंवबर को जारी होगी, इसके आधार पर 2 से 4 नवंबर तक दाखिला प्रक्रिया चलेगी, तो 6 नवंबर तक फीस जमा कराई जा सकेगी। इसी तरह पांचवी कटऑफ 9 नंवबर को जारी होगी, जिसके आधार पर 9 से 11 नवंबर तक दाखिला व 18 नंवबर तक फीस जमा की जा सकेगी। वहीं विशेष अभियान के तहत 18 नंवबर को विशेष कटऑफ आएगी, जिसके आधार पर 18 नंवबर से 20 नंवबर तक दाखिला होंगे।

18 नवंबर से सत्र शुरु करेगा डीयू-डीयू की तरफ से जारी कार्यक्रम के तहत स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 18 नवंबर से नया शैक्षणिक सत्र शुरु होगा। हालांकि अगर 6 जारी कटऑफ के बाद भी कॉलेजों में सीटें खाली रह जाती हैं, तो अतिरिक्त कटऑफ जारी करने पर विचार किया जा सकता है।

स्नातक के प्रवेश परीक्षा आधारित पाठ्यक्रमों में 19 अक्टूबर से दाखिला

डीयू ने मेरिट आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए कटऑफ कार्यक्रम जारी करने के साथ ही स्नातक के प्रवेश परीक्षा आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए भी कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिसके तहत प्रवेश परीक्षा वाले पाठ्यक्रमों में 19 अक्टूबर से दाखिला प्रक्रिया शुरु होगी।

तेजस्वी, तेजप्रताप और पप्पू यादव समेत 7 नामजद और 100 अज्ञात लोगों पर केस दर्ज

पटना। कृषि बिल के खिलाफ राजधानी में शुक्रवार को हुए प्रदर्शन को लेकर पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी, पूर्व मंत्री तेजप्रताप और जाप सुप्रीमो पप्पू यादव समेत सात नामजद तथा 100 अज्ञात लोगों पर कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया।

इन पर आरोप है कि बगैर अनुमति इन तीनों नेताओं ने प्रदर्शन किया और सड़क पर उतर गए। इस दौरान भीड़ भी जमा हुई। बेली रोड जैसे प्रतिबंधित इलाके में प्रदर्शन किया गया। सभी के ऊपर अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज की गयी है।

दर्ज एफआईआर में बगैर अनुमति के जुलूस निकालने, कोविड 19, प्रतिबंधित इलाके में प्रदर्शन करने सहित अन्य धाराएं लगायी गयी हैं। वहीं, इस मामले में किसी भी पार्टी के प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की बात से पुलिस ने इनकार किया है।

बगैर अनुमति इन तीनों नेताओं ने प्रदर्शन किया और सड़क पर उतर गए। इस दौरान भीड़ भी जमा हुई। बेली रोड जैसे प्रतिबंधित इलाके में प्रदर्शन किया गया। सभी के ऊपर अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज की गयी है।

भाजपा दफ्तर पर प्रदर्शन कर रहे जाप नेताओं की पिटाई, बवाल-कृषि बिल का विरोध करते हुये भाजपा दफ्तर पहुंचे जाप कार्यकर्ताओं और भाजपाइयों के बीच वीरचंद पटेल पथ पर शुक्रवार को जोरदार भिड़ंत हो गयी। इस दौरान गुस्साए भाजपा कार्यकर्ताओं ने जाप के प्रदर्शनकारियों को खदेड़-खदेड़कर पीटा। भाजपाइयों को देखकर जाप के कई कार्यकर्ता भाग खड़े हुये। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गैरकरानूनी तरीके से जाप के प्रदर्शनकारी उनकी पार्टी ऑफिस के गेट पर चढ़ गये और अपशब्द बोलने लगे। अमर्यादित भाषा को सुन भाजपा कार्यकर्ता आपा खो बैठे। काफी देर तक यह सब सुनने के बाद पहले तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने जाप के प्रदर्शनकारियों की वीडियो बनायी और बाद में गेट खोलकर उनसे भिड़ने निकल गये। कुछ समय के लिये भाजपा के वीरचंद पटेल पथ स्थित पार्टी ऑफिस के सामने अफरातफरी मच गयी।

यूक्रेन विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 22

नई दिल्ली। यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में एएन - 26 सैन्य विमान दुर्घटना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है, देश के अभियोजक जनरल के कार्यालय ने एक बयान में ये कहा।

शुक्रवार देर रात जारी बयान में प्रारंभिक सूचना के अनुसार, 25 लोगों की मौत हो गई है, गंभीर हालत में दो घायल लोगों को चिकित्सा सुविधाओं के लिए पहुंचाया गया है। अन्य की तलाश जारी है।÷ एएन -26 सैन्य विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना इंजन की खराबी के कारण हुआ, स्थानीय अखबार डिपो ने यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र का हवाला देते हुए ये बताया।

तनाव देने वाला है यह शोध, कोरोना की फर्जी खबरों पर युवाओं को सबसे ज्यादा भरोसा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर कोरोना वायरस के बारे में झूठी खबरों-अफवाहों का सैलाब उमड़ पड़ा है। लेकिन क्या आपको पता है कि इन अफवाहों पर सबसे ज्यादा भरोसा कौन करता है। हावर्ड समेत अमेरिका की चार यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इसका जवाब दिया है। उनके मुताबिक, कम उम्र के लोग सबसे ज्यादा भ्रमित हो रहे हैं। वे फर्जी खबरों को जल्दी सच मान लेते हैं और यहां तक कि उसे दूसरे लोगों तक भी पहुंचा देते हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, रटगर्स यूनिवर्सिटी, नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने वायरस के बारे में इंटरनेट पर फैलाए जा रहे 11

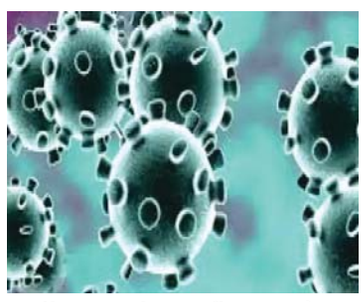

सर्वाधिक प्रचारित फर्जी सूचनाओं का अध्ययन किया। सात से 15 अगस्त के बीच 22 हजार युवाओं पर यह सर्वे किया गया। पता चला कि 25 साल की उम्र तक के 18 प्रतिशत युवाओं ने इन फर्जी सूचनाओं को सच मान लिया जबकि 65 की उम्र तक के सिर्फ नौ प्रतिशत लोग ही ऐसी सूचनाओं पर भरोसा किया। 25 से 44 आयु वर्ग के 17 फीसदी लोगों ने इन झूठे दावों पर भरोसा किया जबकि 45 से 64 के आयुवर्ग के सिर्फ 12 फीसदी लोगों ने इसे सही माना। इससे पता चला कि ज्यादा आयु वर्ग के लोगों ने इन दावों को अपेक्षाकृत कम सही माना। चमगादड़ खाने से वायरस फैला साल से कम उम्र के 28त्न लोगों ने मान लिया कि चमगादड़ खाने से ही वायरस मनुष्यों में फैला जबकि 65 साल के सिर्फ छह फीसदी लोगों ने इस खबर को सही माना। कैसी खबरें-कितना भरोसा वायरस चीन का हथियार वर्ष से कम उम्र के 25 फीसदी युवाओं का मानना था कि वायरस चीन की ओर से बनाया गया एक हथियार है जो प्रयोगशाला में तैयार किया गया, बुजुर्गों में ऐसा मानने वाले आधे थे। संक्रमण बढ़ने की बड़ी वजह शोधकर्ताओं का मानना था कि सिर्फ बुजुर्गों को ही संक्रमण हो सकता है, यह जानकर युवा लापरवाह भी हो गए और बाद में यह संक्रमण बढ़ने की बड़ी वजह बना। अमेरिका के रोग नियंत्रण व रोकथाम केंद्र की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमित लोगों की औसत आयु 46 तक घटकर अगस्त में 38 वर्ष हो गई जबकि जुलाई व अगस्त में 20 फीसदी मरीज ऐसे मिले जिनकी उम्र 20 से 29 वर्ष के बीच थी।

पाकिस्तान के 'प्रपंच' पर भारत ने दिया करारा जवाब, कहा- अब सिर्फ PoK पर बात होगी

वॉशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इसी बीच संयुक्त राष्ट्र आम सभा की बैठक भी चल रही है. इस बैठक में वर्चुअल तरीके से दुनिया के शीर्ष नेता शामिल हुए, जिसमें बात करते हुए पाक के पीएम इमरान खान ने कश्मीर का मुद्दा उठाया. इमरान खान के बयान के बाद भारत सरकार की तरफ से मिजितो विनितो ने पाकिस्तान की जमकर खबर ली. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अब PoK खाली करना होगा.

पाकिस्तान को दुनिया के सामने किया बेनकाब

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय मिशन के प्रथम सचिव मिजितो विनितो ने कहा, 'इमरान खान ने भारत को लेकर कई बातें कहीं, लेकिन हैरानी की बात है कि उन्होंने ये सब खुद के बारे में कहा. पाकिस्तान के पास इस महासभा में झूठ बोलने के सिवाय कुछ भी नहीं था।

ओसामा बिन लादेन को इमरान खान ने बताया था शहीद-भारत

भारत का पक्ष रखते हुए मिजितो विनितो ने कहा कि इमरान खान ने खुद पाकिस्तान की संसद में ओसामा बिन लादेन को 'शहीद' करार दिया था. यही नहीं, खुद इमरान खान ने 2019 में अमेरिका में माना था कि उनके देश

में 30 से 40 हजार आतंकियों के ट्रेनिंग दी गई. और फिर उन्हें भारत और अफगानिस्तान में आतंकवाद फैलाने के लिए भेजा गया. खास कर भारत के जम्मू और कश्मीर में।

पीओके खाली करे पाकिस्तान

उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और जिन इलाकों पर 'पाकिस्तान का कब्जा है. उसे खाली किया जाए।' राइट टू रिप्लाई के तहत भारत ने पाकिस्तान को ये जवाब दिया है.

अल्पसंख्यकों का नस्लीय सफाया बंद करे पाकिस्तान

मिजितो विनितो ने पाकिस्तान के अंदर हो रहे धार्मिक उत्पीड़न को दुनिया के सामने रखा. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हिंदुओं, ईसाईयों और सिखों के साथ ही अन्य धार्मिक, नस्लीय समूह के लोगों का सफाया किया जा रहा है. उनके ऊपर धर्म के अपमान का आरोप लगाकर उन्हें कजा दी जा रही है और जबरन उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है.

भारत ने इमरान खान के भाषण का किया बहिष्कार-संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने पहले से रिकॉर्ड किये वीडियो संबोधन में जम्मू-कश्मीर समेत भारत के आतंरिक मामलों का जिक्र किया. खान के संबोधन में जैसे ही भारत का जिक्र आया, वैसे ही संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव मिजितो विनितो महासभा हॉल से बाहर चले गए.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बिहार में चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही हमारा लोकतंत्र एक नए दौर में प्रवेश कर गया। राजनीतिक रूप से बहुत महत्व रखने वाले बिहार विधानसभा चुनाव पर पूरे देश की निगाह है और इस बार तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी खास तौर से भारतीय लोकतांत्रिक खूबियों को परखने आएगा। चुनाव आयोग ने पूरी सावधानी बरतते हुए तीन चरण में मतदान कराने की घोषणा की है। 28 अक्तूबर, 3 नवंबर और 7 नवंबर को मतदान के बाद 10 नवंबर को मतों की गिनती होगी, जिसके साथ ही राज्य के मतदाताओं का फैसला देश-दुनिया के सामने आ जाएगा। दिवाली से पहले ही परिणाम सामने आ जाएंगे। विशेष रूप से दिवाली के बाद आने वाले छठ महापर्व के मद्देनजर भी ये चुनावी तिथियां प्रशंसनीय हैं। पहले चरण में 71 सीटों, दूसरे चरण में 94 सीटों और अंतिम चरण में 78 सीटों पर मतदान होगा। मतदान के बीच तीन से ज्यादा दिन का अंतराल भी उचित है। चुनाव आयोग ने जो पैमाने तय किए हैं, उनके अनुसार चुनाव आसान नहीं होंगे। लोगों को तो ज्यादा नहीं, लेकिन नेताओं को ज्यादा परेशानी होने वाली है। लोगों तक पहुंचना आसान नहीं होगा। बड़ी सभाओं के न होने का मतलब है, चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की कमी खलेगी। किसी बड़े नेता को चुनाव प्रचार करते हुए महज पांच लोगों के साथ देखना अलग ही अनुभव होगा। हालांकि यह चुनौती है कि जब हमारे बाजारों में सैकड़ों लोग एक जगह जुटने लगे हैं, तब नेताओं को भीड़ से कैसे बचाया जाएगा? पांच से ज्यादा संख्या में तो खुद पुलिस वाले आवाजाही करते हैं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने साफ कर दिया है कि कोरोना की वजह से एक बार में एक साथ पांच से ज्यादा लोग घर-घर जाकर प्रचार नहीं कर पाएंगे। वर्चुअल चुनाव प्रचार करना होगा। नामांकन के लिए जाते समय पहले नेता शक्ति प्रदर्शन किया करते थे, इस बार दो से ज्यादा गाड़ी नहीं ले जा सकेंगे। यह बहुत अच्छा है कि इस चुनाव में दिखावे की गुंजाइश कम से कम होने वाली है और शायद लोग भी पहले की तुलना में अच्छे नेताओं का चयन कर सकेंगे, शोर-गुल और भीड़ के झांसे में नहीं आएंगे। एक आशंका है कि सामने के दरवाजे से होने वाले खर्च घटेंगे और पिछले दरवाजे से होने वाले खर्चों में वृद्धि होगी। चुनाव आयोग की चुनौती यहां बढ़ जाएगी। इसके अलावा, जिन दलों ने गली-गली तक कार्यकर्ता आधार तैयार किए हैं, उन्हें फायदा होने वाला है। भाड़े के कार्यकर्ताओं को दिक्कत होने वाली है, क्योंकि मतदाता भी नए लोगों के संपर्क में आने से बचेंगे। एक बड़ी चिंता चुनावकर्मियों की रहेगी, इसके लिए छह लाख पीपीई किट राज्य चुनाव आयोग को दिए जाएंगे। बड़ी संख्या में मास्क और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग आयोग को सुनिश्चित करना होगा। कुछ बड़े बदलाव बहुत स्वागतयोग्य हैं। चुनाव आयोग ने बताया है कि जहां जरूरत होगी, वहां पोस्टल बैलेट की व्यवस्था की जाएगी। नामांकन भी ऑनलाइन भरे जा सकेंगे। आगे भी जमीनी अनुभव के आधार पर चुनाव आयोग को फैसले लेने और लागू करने के लिए तैयार रहना होगा। कुल मिलाकर, यह बिहार के लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे कोरोना से बचते हुए चुनाव को सुखद ढंग से मुकाम पर पहुंचाएं, ताकि चुनाव बाद छठ महोत्सव में उल्लास बना रहे।

बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल

राजकुमार सिंह

देश के दूसरे बड़े राज्य बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। अभी तक अपराजेय नजर आ रहे क्रूर कोरोना के बीच ही 28 अक्तूबर से 07 नवंबर तक तीन चरणों में मतदान होगा। फिर 10 नवंबर को मतगणना में साफ हो जायेगा कि इस बार दीवाली किसकी धूमधाम से मनेगी यानि सुशासन बाबू नीतीश कुमार ही पुन- बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर विकल्पहीनता के शून्य को भरने के लिए मतदाता नौसिखिया तेजस्वी यादव को भी विकल्प के रूप में स्वीकार कर लेंगे। हालांकि मार्च से ही गहराने लगे कोरोना संकट के बीच देश-समाज में बहुत कुछ थमा हुआ था लॉकडाउन के दौरान, पर राजनीति तो राजनीति है। सत्ता का खेल कहां कभी थमता है? लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों-छात्रों से ले कर फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध मौत तक हरसंभव मुद्दे पर हुई राजनीति दरअसल बिहार में चुनावी बिसात से भी प्रेरित रही। बेशक इस बीच सत्तापक्ष और विपक्ष ने अपनी-अपनी रणनीति और साझीदारों को भी अंतिम रूप देने का काम किया। हालांकि राजनीति में ही जीने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की बाबत निर्णायक रूप से कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन ऐसा माना जा सकता है कि सत्ता के दोनों प्रबल दावेदार खेमों की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। भाजपानीत राजग, जिसके राष्ट्रीय स्तर पर नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, बिहार में नीतीश कुमार के नाम और चेहरे पर चुनाव लड़ेगा। यह स्वाभाविक भी है। आखिर कोई भी चुनाव सत्तारूढ़ दल और सरकार की कारगुजारियों को दरकिनार कर कैसे लड़ा जा सकता है? यह भी सच है कि अभी तक तो बिहार में जनता दल यूनाइटेड ही राजग का सबसे बड़ा घटक दल है, जिसके नेता नीतीश हैं, जो मुख्यमंत्री भी हैं। यह दिलचस्प है कि पिछले विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे पर प्रहार-कटाक्ष करते हुए वोट मांगने वाले मोदी और नीतीश इस बार साथ-साथ और एक ही गठबंधन के लिए वोट मांगेंगे। ध्यान रहे कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले मोदी की पृष्ठभूमि और छवि का विरोध करते हुए नीतीश ने भाजपा से 17 साल पुराना गठबंधन तोड़ कर उन्हीं लालू प्रसाद यादव से हाथ मिला लिया था, जिनका विरोध करते हुए कभी न सिर्फ जनता दल तोड़ा था, बल्कि समता पार्टी के रास्ते भाजपा से दोस्ती कर बिहार में अंतत- वैकल्पिक सरकार भी बनायी। हालांकि लालू शालीनता और सदाशयता के लिए नहीं जाने जाते, पर एक बार लोकसभा चुनाव हार चुके अपने धुर विरोधी रामविलास पासवान को राज्यसभा भेज कर तथा पिछले विधानसभा चुनाव में अपने राजद से कम सीटें जीतने वाले जद यू के नेता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बना कर उन्होंने संकेत दिया कि प्रतिकूल हालात के थपेड़ों ने उन्हें बदल दिया है। ऐसा लगा था कि क्षत्रपों के अंतर्कलह से उबर कर ज्यादातर जनता दल परिवार कम से कम बिहार में तो एक हो ही जायेगा, लेकिन राजनीति सीधी चाल कहां चलती है? आधा कार्यकाल बीतते-बीतते नीतीश ने राजद को धता बता कर फिर उन्हीं मोदी से मित्रता कर ली, जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में उनके डीएनए तक पर सवाल उठाया था और जवाब में उन्होंने उसे चुनावी मुद्दा भी बनाया था। पर जैसा कि कहा जाता है, राजनीति में कोई भी स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। सो, मोदी-नीतीश फिर से एक-दूसरे का गुणगान करते हुए पिछले साल लोकसभा चुनाव साथ लड़े। हालांकि सीटों के बंटवारे पर तकरार में, पिछली बार संकटकाल में साथ आयी उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नाराज हो कर राजद-कांग्रेस वाले महागठबंधन में चली गयी, पर जद यू के वापस आ जाने के बाद शायद भाजपा को उसकी जरूरत भी नहीं रह गयी थी। अब सत्ताकेंद्रित वर्तमान राजनीति में तो जरूरत या उपयोगिता ही संबंधों की एकमात्र कसौटी रह गयी है। इसलिए आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि पिछले कार्यकाल में अचानक जागी नैतिकता के चलते इस्तीफा दे कर नीतीश ने जिन जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था, उन्होंने ही बाद में पद छोड़ने से इनकार कर दिया और अंतत- अलग मोर्चा बना कर राजद-कांग्रेस महागठबंधन में भी शामिल हो गये, पर अब चुनाव से पहले वह भी राजग में आ गये हैं। बेशक सीटों के बंटवारे पर रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी कुछ तेवर दिखा रही है, पर वे कितने वास्तविक हैं और कितने प्रेरित—कह पाना मुश्किल है।

कभी विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा दलित प्रधानमंत्री का सपना दिखाये जाने से उत्साहित पासवान चुनावी मौसम विज्ञानी की अपनी छवि और उसके अनुरूप जोड़तोड़ में महारत के बावजूद बिहार का मुख्यमंत्री भी नहीं बन पाये। अब उनका एकसूत्रीय एजेंडा बेटे चिराग पासवान को राजनीति में स्थापित करना ही है। संकेत हैं कि इस मामले में पासवान को शायद नीतीश से ज्यादा भाजपा पर भरोसा है, जिसके पास जातीयता में जकड़ी बिहार की राजनीति के लिए प्रभावी चेहरा आज भी नहीं है। बेशक इस तरह की चर्चा भी असंवेदनशील लग सकती है, पर फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच के नाम पर बिहार-महाराष्ट्र सरकार में तनातनी के बाद अब जिस तरह इग्स पर विभाजित बॉलीवुड की बयानबाजी के जरिये मुद्दा गरमाये रखने की कवायद हो रही है,उसके निहितार्थ न समझना राजनीतिक नादानी होगी। बिहार के बड़बोले डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे द्वारा वीआरएस लेने से भी पूरे प्रकरण में राजनीतिक मंसूबों की आशंकाओं की पुष्टि होती है। बाकी कलई पांडे के विधानसभा चुनाव मैदान में उतरने से खुल जायेगी। भाजपा के सहयोग से नीतीश की बार-बार ताजपोशी इस बात का प्रमाण है कि लालू ने जो एम-वाई (मुस्लिम-यादव) का विजयी चुनावी समीकरण बनाया था, वह दरक चुका है। फिर भी पिछले विधानसभा चुनाव में लालू की अनुपस्थिति के बावजूद राजद का सबसे बड़े दल के रूप में उभरना बताता है कि भाजपा की हैसियत अब भी तीसरे नंबर की पार्टी की ही है। बिहार की जाति आधारित राजनीति में यह हैसियत बदलना तब तक संभव नहीं है, जब तक कि भाजपा अपने साथ असरदार वोट बैंक वाली जातियों और उनके बड़े चेहरों को नहीं जोड़ लेती। लालू के बेटों तेजस्वी-तेज प्रताप की बचकानी राजनीति से निराश रघुवंश प्रसाद सिंह, भलेमानुष की छवि के बावजूद, ताकतवर राजपूत समुदाय का ऐसा ही चेहरा थे। दिल्ली के एम्स में जीवन की जंग लड़ रहे रघुवंश बाबू ने सादा कागज पर राजद से इस्तीफा तो लालू को भेज दिया, पर भाजपा ज्वाइन करने से पहले ही चल बसे। बाहुबली रामा सिंह को पाले में ला कर राजद खांटी समाजवादी रघुवंश की कमी की कितनी भरपाई कर पायेगा, चुनाव परिणाम ही बतायेगा, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव दरअसल नीतीश कुमार की ही अग्निपरीक्षा साबित होंगे। नीतीश के पक्ष में सबसे सकारात्मक बात यह है कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा साथ है और मुकाबले में कोई असरदार नेता नहीं है। बेशक राजद-जद यू गठबंधन में तेजस्वी, नीतीश के साथ उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं, पर वह लालू का बेटा होने के नाते था, और उस दौरान भी वह अपनी कोई खास छाप नहीं छोड़ पाये,लेकिन इसके अलावा सारे मुद्दे नीतीश के विरुद्ध ही हैं। बिहार की शाश्वत बदहाली के अलावा कोरोनाकाल में प्रवासी मजदूरों की पीड़ा से ले कर बाढ़ की मार तक जितने भी मुद्दे चुनाव में विपक्ष उठायेगा, उनके निशाने पर नीतीश ही होंगे। संसद के हालिया मानसून सत्र में केंद्र सरकार द्वारा आपाधापी में पारित कराये गये कृषि और श्रम विधेयक भी अगर मुद्दा बनेंगे, तो उसका खमियाजा भाजपा के साथ-साथ जद यू को भी भुगतना पड़ेगा ही।

आज के ट्वीट

खर्च

अतीक अहमद का अब तक 300 करोड़ का अवैध साम्राज्य ध्वस्त, गिराने में लगा खर्च भी माफिया से वसूलेगी योगी सरकार

– अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

मन

श्रीराम शर्मा आचार्य/ संतुलित मस्तिष्क की पहचान यह नहीं है कि वह शिथिलता, निष्क्रियता अपनाये और संसार को माया मिथ्या बताकर बे सिर-पैर उड़ाने उड़ने लगें। विवेकवान उद्विग्नता छोड़ने पर पलायन नहीं करते। वे कर्तव्य क्षेत्र में अंगद की तरह अपना पैर इतनी मजबूती से जमाते हैं कि असुर समुदाय पूरी शक्ति लगाकर भी उखाड़ने में सफल न हो सके। पलोभनों और दबावों से जो उबर सकता है, उसी के लिये यह सम्भव है कि उत्कृष्टता को वरण करे और आंधी-तूफानों के बीच भी अपने निश्चय पर चट्टान की तरह अडिग रहे। इसके लिए उदाहरण, प्रमाण ढूंढने हों, साथी, सहचर, समर्थक ढूंढने हों तो इर्द-गिर्द नजर न डालकर महामानवों के इतिहास तलाशने पड़ेंगे। अपने समय में या क्षेत्र में यदि वे दिख न पड़ते हो तो भी निराश होने की आवश्यकता नहीं। इतिहास में उनके अस्तित्व और वर्चस्व को देखकर अभीष्ट प्रेरणा प्राप्त की जा सकती है और विश्वास किया जा सकता है कि महानता का मार्ग ऐसा नहीं है, जिस पर चलने से यदि लालची सहमत न हो तो छोड़ देने की बात सोची जाने लगे। वैभववानों की एक अपनी दुनिया है। किन्तु सोचना यह नहीं चाहिए कि संसार इतना ही छोटा है। इसमें एक क्षेत्र ऐसा भी है जिसे स्वर्ग कहते हैं। उसमें सत्प्रवृत्तियों का वर्चस्व है और अपनाने वाले जो भी उसमें बसते हैं, देवोपम स्तर का वरण करते हैं। दैत्यों के संसार में सोने की लंका बनाने और दस सिर जितनी चतुरता और बीस भुजाओं जैसी बलिष्ठता हो सकती है, किन्तु उतना ही सब कुछ नहीं हैं। भागीरथों, हरिश्चंद्रों, प्रह्लादों और दधीचियों जैसी भी एक बिरादरी है। बुद्ध, चैतन्य, नानक, कबीर, रैदास, गांधी, विनोबा जैसे अनेकों ने उसमें प्रवेश पाया है। दयानन्दों और विवेकानन्दों का भी अस्तित्व रहा है। संख्या की दृष्टि से कमी पड़ते देखकर किसी को भी मन छोटा नहीं करना चाहिए। समूचे आकाश में सूर्य और चन्द्र जैसी प्रतिभाएं अपने पराक्रम से संव्याप्त अन्धकार से निरन्तर लड़ती रहती हैं। हार मानने का नाम नहीं लेती। समुद्र में मणि मुक्तक तो जहां-तहां ही होते हैं, सीपों और घोंघों से ही उसके तट पटे पड़े रहते हैं। बहुसंख्यकों को बुद्धिमान अथवा अनुकरणीय मानना हो तो फिर उद्विजों की बिरादरी को वरिष्ठता देनी पड़ेगी। यह बहुमत वाला सिद्धान्त मनुष्य समाज पर लागू नहीं हो सकता। श्रेष्ठता ही सदैव जीतती रही है, श्रेय पाती रही है। हमें अपनी दृष्टि नाव के मस्तूल पर, प्रकाश स्तम्भ पर रखनी चाहिए।

डिजिटल पेमेंट में सट्टेबाजी पर लगे लगाम

अभिषेक कुमार सिंह

देश-दुनिया में जब से रुपये-पैसे के डिजिटल लेनदेन की व्यवस्थाएं बनी हैं, उन पर एक ऐसा खेल बदस्तूर जारी है जो कम से कम आम लोगों की समझ से हमेशा बाहर रहा है। यह खेल इस बात का है कि कैसे बैंकिंग, पेमेंट के एप के जरिए फर्जीवाड़ा करने वाले हैकरों की रातोंरात चांदी हो जाती है। और कैसे देखते-ही-देखते आम लोगों की जिंदगीभर की कमाई उसकी आंखों के सामने से गायब हो जाती है। अभी ये रहस्य खुलने बाकी हैं कि आखिर कैसे सुरक्षा के लाखों दावों के बावजूद हैकरों को लोगों की निजी सूचनाएं, बैंक खातों और फोन नंबरों की जानकारी मिल जाती हैं। कैसे वे बहलाकर लोगों के खातों से रकम उड़ा लेते हैं। इस पर एक नए किस्म के खेल ने आम लोगों का दिमाग चकरा दिया है, जिसमें तमाम खेलों (गेम्स) से जुड़े मोबाइल एप बनाने वाली कंपनियां लोगों को कुछ महीने ताश के रमी या कार रेसिंग जैसे गेम्स खेलने के बदले लाखों रुपये कमाने का प्रलोभन दे रही हैं। लालच परोसने के इस किस्से में इधर डिजिटल वॉलेट की सुविधा मुहैया कराने वाली एक देसी कंपनी (पेटीएम) और ग्लोबल इंटरनेट कंपनी-गूगल के बीच हुई जंग ने नया तड़का लगाया है, जिससे आम उपभोक्ताओं के कान खड़े हो जाने चाहिए। मामला डिजिटल पेमेंट और खरीदारी आदि कराने वाली देसी कंपनी-पेटीएम के हालिया ऑफर से जुड़ा है, जिसमें उसने क्रिकेट टूर्नामेंट-आईपीएल को भुनाने की कोशिश के तहत स्क्रैचकार्ड और कैशबैक एक नया ऑफर अपने ग्राहकों के लिए पेश किया। इस प्रस्ताव में ग्राहकों को प्रलोभन दिया गया कि उसके डिजिटल पेमेंट गेटवे से तमाम तरह की खरीदारियों के बदले स्क्रैच कार्ड और आईपीएल खिलाड़ियों के स्टीकर मिलेंगे। एक निश्चित संख्या पर स्टीकर जमा होने के बाद ग्राहक उन स्क्रैच कार्ड पर जाकर कुछ रकम वापस पा सकेंगे। मोबाइल वॉलेट की सुविधा देने वाले डिजिटल एप अरसे से ऐसे लुभावने ऑफर दे रहे हैं और सट्टेबाजी के आरोप लगने के बावजूद उन पर कोई कार्रवाई अब तक देश में मांग उठने पर भी नहीं हुई है। लेकिन इधर पेटीएम के इस ऑफर को एक नीतिगत अपडेट के तहत गूगल ने आपत्तिजनक माना और पेटीएम के एप को अपने एप स्टोर 'प्ले स्टोर' से हटा दिया। इस पर काफी खलबली मची और पेटीएम का एप प्ले स्टोर पर तभी वापस आ सका, जब उसने क्रिकेट से संबंधित कैशबैक वाला ऑफर हटाने की घोषणा की। हालांकि, यह बात तब और बढ़ गई, जब पेटीएम ने गूगल पर आरोप लगाया कि जिस ऑफर के लिए गूगल ने उस पर कार्रवाई की, ठीक वैसा ही ऑफर खुद गूगल के डिजिटल पेमेंट गेटवे 'गूगल पे' पर मौजूद है। पेटीएम ने कुछ और तर्क दिए हैं। जैसे भारत में डिजिटल पेमेंट की सुविधा देने वाली व्यवस्थाओं में कैशबैक और स्क्रैच कार्ड- दोनों ही पेशकशों को वैध माना गया है और कैशबैक की सुविधा सरकार के नियम-कायदों के दायरे में ही दी जा रही है। असल में, इस बारे में हमारे देश में स्थितियां काफी संदिग्ध हैं और इस तरह के मामलों को राज्य सरकारों पर छोड़ा गया है। इससे जुड़ी एक हलचल इस साल तेलंगाना सरकार के एक अध्यादेश के बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरई पीठ की दलील से पैदा हुई थी। असल में, जुलाई, 2020 में मद्रास हाईकोर्ट की इस बेंच ने मांग की थी कि केंद्र और राज्य सरकारें ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाले कानूनों को पारित करें, जिनमें ऑनलाइन रमी (रम्मी), काई गेम और अन्य

गेम्स शामिल हैं। अदालत ने तेलंगाना गेमिंग अधिनियम 1974 में संशोधन करते हुए ऑनलाइन रमी पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसका मतलब यह था कि राज्य के रियल कैश गेम के खेलने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मद्रास हाईकोर्ट के फैसले की रोशनी में पेटीएम और गूगल की ताजा जंग को देखें तो कह सकते हैं कि आईपीएल के बहाने स्क्रैच कार्ड और कैशबैक का ऑफर असल में ऑनलाइन जुए को ही एक प्रोत्साहन है। अगर, गूगल का तर्क है कि वह इस संबंध में नीतिगत फैसलों से बंधा हुआ है तो पेटीएम का यह तर्क अपनी जगह सही प्रतीत होता है कि गूगल प्ले स्टोर की नीतियां भेदभाव करने वाली हैं। पेटीएम के मुताबिक खुद गूगल पे ने आईपीए की शुरुआत के साथ एक स्कीम पेश की है, जिसमें साफ कहा गया है कि ग्राहक एक लाख तक का निश्चित इनाम पाने के लिए ज्यादा से ज्यादा भुगतान करते हुए वर्चुअल रन बनाएं। एक तय संख्या में रनों का अंबार लगने पर ग्राहक इनाम में कैशबैक पा सकेंगे। अगर पेटीएम के दावों पर यकीन करें तो कह सकते हैं कि ऑनलाइन गेम्स या कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामले में गूगल की खुद के लिए अलग पॉलिसी है, जबकि बाकियों के लिए अलग।बहरहाल, गूगल और पेटीएम के बीच छिड़ी इस जंग का नतीजा इस रूप में आना चाहिए कि केंद्र और राज्य सरकारें ऑनलाइन रम्मी, स्क्रैच कार्ड व स्टीकर जुटाने के रूप में चल रही सट्टेबाजी को नियंत्रित करने का ठोस प्रयास करें।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना काल में नौकरी गंवाने वालों को 7 महीने की सैलरी दे रही यह कंपनी

बिजनेस डेस्क: कोरोना वायरस के कारण सभी सेक्टर में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है। आईटी कंपनी **Accenture** में भी बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है। हालांकि यह कंपनी अपने कर्मचारियों को 7 महीने का सेवरेंस पैकेज दे रही है। यह वह रकम होती है जब कोई कंपनी अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के दौरान देती है। अमूमन कंपनियां एक या दो महीने की सैलरी सेवरेंस पैकेज के रूप में देती हैं। मीडिया सूत्रों के अनुसार, जो कर्मचारी स्वेच्छा से कंपनी से रिजाइन कर रहे हैं, उन्हें यह ऑफर किया जा रहा है। अगर कोई कर्मचारी स्वेच्छा से नौकरी छोड़ता है तो तीन महीने का नोटिस पीरियड होता है और चार महीने की सैलरी उसे अलग से मिलती है। कुल मिलाकर जिस दिन वह नोटिस पर जाता है उससे अगले सात महीने तक उसके अकाउंट में सैलरी की तरह पैसे मिलते रहेंगे।

5% कर्मचारियों की होगी छंटनी

Accenture ने पिछले दिनों फैसला किया था कि वह ग्लोबल वर्कफोर्स से 5 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करेगी। भारत में एसेंचर के दो लाख लोग काम करते हैं। इसका मतलब करीब 10 हजार लोगों की छंटनी होने वाली है। कंपनी के स्पोक्सपर्सन ने उस दौरान कहा था कि हम सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों की लिस्ट तैयार कर रहे हैं। उसी लिस्ट के हिसाब से छंटनी की जाएगी।

निपटारा होने तक जीएसटीक्षति पूर्ति राशि रोकने का अर्थ कहीं अन्य खर्च करना नहीं: वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने राज्यों के हिस्से के 47,272 करोड़ रुपये की माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति राशि को अन्य मदों में खर्च कर दिये जाने के कैग के आकलन का प्रतिकार किया है। उन्होंने कहा कि निपटारे के लिये क्षतिपूर्ति कोष की राशि को अस्थायी तौर पर कुछ समय के लिये रोकने का अर्थ केंद्र द्वारा इसे अन्यत्र खर्च कर दिया जाना नहीं है।

राज्यों को क्षतिपूर्ति का पूरा भुगतान हुआ

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि केंद्र सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के क्रियान्वयन के पहले दो साल में जीएसटी क्षतिपूर्ति की 47,272 करोड़ रुपये की राशि को अनुचित तरीके से रोक लिया। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि राज्यों को 2017-18 और 2018-19 के लिये क्षतिपूर्ति का पूरा भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि क्षतिपूर्ति प्राप्तियों के निपटारे में लगने वाले समय को लेकर यह नहीं कहा जा सकता है कि जीएसटी उपकर कोष का अन्यत्र इस्तेमाल किया गया है, वह भी तब जब केंद्र सरकार के द्वारा राज्यों के हिस्से की पूरी राशि को जारी किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि 2017-18 के दौरान जीएसटी क्षतिपूर्ति कोष में 62,611 करोड़ रुपये जमा हुए। इनमें से केंद्र सरकार ने राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को उनके हिस्से की पूरी 41,146 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया। इसी तरह 2018-19 में जमा हुए 95,081 करोड़ रुपये में से राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को उनके हिस्से की पूरी 69,275 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के हिस्से की पूरी राशि का भुगतान कर दिये जाने के बाद निपटारे के लिये 2017-18 और 2018-19 के संग्रह का 47,271 करोड़ रुपये बचा रह गया। उन्होंने कहा कि 2019-20 में केंद्र सरकार ने राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को 1,65,302 करोड़ रुपये की जीएसटी क्षतिपूर्ति का भुगतान किया, जबकि इस दौरान जीएसटी क्षतिपूर्ति कोष में संग्रह महज 95,444 करोड़ रुपये ही रहा था। यह भुगतान इसी कारण किया जा सका क्योंकि इसमें केंद्र सरकार ने पहले के बचे 47,271 करोड़ रुपये का भी इस्तेमाल किया। जीएसटी अधिनियम देश में जुलाई 2017 से नयी कर व्यवस्था के लागू होने के बाद पांच साल तक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को कर से प्राप्त होने वाले राजस्व में 14 प्रतिशत की सालाना वृद्धि तथा कमी होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति की गारंटी देता है।

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सहयोग बढ़ाने को भारत, डेनमार्क ने किया समझौता

नयी दिल्ली.

भारत और डेनमार्क ने शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग बढ़ाने के लिये एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) शुरू किया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों पक्ष एमओयू को लागू करने के लिये एक द्विवार्षिक कार्य योजना तैयार करेंगे, जिसमें सहयोग गतिविधियों को पूरा करने की विस्तृत योजना शामिल होगी। एमओयू का उद्देश्य अधिकारियों, व्यवसायों और अनुसंधान तथा शैक्षणिक संस्थानों के बीच आईपी जागरूकता पर सर्वोत्तम प्रथाओं, अनुभवों व ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से दोनों देशों के बीच आईपी सहयोग को बढ़ाना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, तकनीकी आदान-प्रदान एवं आउटरीच गतिविधियों में सहयोग करना है। दोनों पक्ष पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेत के लिये आवेदन के निपटान की प्रक्रियाओं पर सूचनाओं व सर्वोत्तम प्रथाओं का भी आदान-प्रदान करेंगे। बयान में कहा गया, 'यह समझौता ज्ञापन भारत और डेनमार्क के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करेगा तथा दोनों देशों को एक-दूसरे के अनुभव से सीखने के अवसर प्रदान करेगा।' आंतरिक व्यापार एवं उद्योग संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव गुरुप्रसाद महापात्र और डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वेन ने औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किये।

आभूषण उद्योग की ब्रिटिश खरीदारों के साथ होगी आभासी बैठक

मुंबई: रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले सप्ताह, भारतीय निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं और ब्रिटेन के खरीदारों के बीच एक विशेष आभासी व्यावसायिक बैठक, इंडिया ग्लोबल कनेक्ट का आयोजन करेगी ताकि यूरोपीय देशों के साथ निर्यात को बढ़ाया जा सके। जीजेईपीसी ने एक बयान में कहा कि 'इंडिया ग्लोबल कनेक्ट' सम्मेलन रत्न एवं आभूषण क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन के बीच अवसरों का पता लगाने, व्यापार की जरूरतों को समझने और उसे आगे बढ़ाने में मदद के लिए एक मंच प्रदान करेगा। जीजेईपीसी अध्यक्ष कॉलिन शाह ने कहा, ''महामारी ने हमें वैश्विक व्यापार बिरादरी तक पहुंचने के लिए नए तरीकों की तलाश करने के लिए मजबूर किया है, और भारत ग्लोबल कनेक्ट एक ऐसा ही प्रयास है जहां निर्माताओं, निर्यातकों और आयातकों को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण बाजार अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत के 35 अरब डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात उद्योग के पास हर प्रमुख विश्व बाजार में ग्राहक-विशिष्ट उत्पादों को पहुंचाने की क्षमता है।

लक्ष्मी विलास बैंक के 2 पूर्व अफसर गिरफ्तार, 729 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने लक्ष्मी विलास बैंक के दो पूर्व अफसरों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को 729 करोड़ की रकम के हेरफेर में शामिल होने का आरोप है। पकड़े गए आरोपी आरएमजी कॉर्पोरेट ग्रुप के पूर्व जोनल हेड प्रदीप कुमार और पूर्व असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट अंजनी कुमार वर्मा हैं। बता दें कि रेलीगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड की फिक्स्ड डिपॉजिट के गबन के आरोप में रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर मलविंदर सिंह और शिवेंद्र मोहन सिंह पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। दिल्ली पुलिस ने अपने बयान में कहा कि शिकायकर्ता ने आरोप लगाया है कि नवंबर 2016 में आरएफएल ने लक्ष्मी विलास बैंक में 400 करोड़ रुपये की एफडी कराई थी। इसके बाद जनवरी 2017 में कंपनी ने अतिरिक्त 350 करोड़ रुपये की इसी बैंक में अन्य एफडी कराई। पहले दो एफडी की तरह ही ये दो एफडी भी छोटी अवधि के लिए ही कराये गये थे। वहीं, 31 जुलाई 2017 को आरएफएल को लक्ष्मी विलास बैंक में करंट अकाउंट को लेकर एक स्टेटमेंट मेल के जरिए मिलता है। इससे पता चलता है कि बैंक ने एफडी की रकम को कंपनी के करंट अकाउंट में क्रेडिट कर दिया गया है और इसके बाद आरएफएल के करंट अकाउंट से 7,23,71,50,920 करोड़ रुपये डेबिट किया गया है। बैंक की तरफ से कंपनी को इस बारे पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

सरसों तेल में अब नहीं होगी दूसरे तेल की मिलावट, नया नियम 1 अक्टूबर से होगा लागू

बिजनेस डेस्क:

सरसों तेल को लेकर फूड रेग्युलेटर एफएसएसएआई यानी भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने नए नियम जारी किए हैं। स्वास्थ्य के नए आदेश के मुताबिक, अब सरसो के तेल में किसी दूसरे खाद्य तेलों की मिलावट करने पर एक अक्टूबर से पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्त को लिखे एक पत्र में, एफएसएसएआई ने कहा है, भारत में किसी भी अन्य खाद्य तेल के साथ सरसों तेल के सम्मिश्रण पर 1 अक्टूबर, 2020 से पूरी तरह रोक होगी। एफएसएसएआई के नियमों के अनुसार, दो खाद्य तेलों को मिलाने की अनुमति है लेकिन इसमें उपयोग में लाए गए किसी भी खाद्य तेल का अनुपात वजन के लिहाज से 20 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए। अब भारत सरकार ने सोच विचार के बाद एफएसएसएआई को सरसों में कोई भी दूसरा तेल मिलाने पर रोक लगाने को कहा है। सरकार ने कहा है कि सार्वजनिक हित में घरेलू खपत के लिए शुद्ध सरसों तेल के उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। जिनके पास लाइसेंस है उनका क्या होगा? एफएसएसएआई की ओर से जारी लेटर में कहा गया है कि जिनके पास भी खाद्य तेल मैन्युफैक्चरिंग और प्रोसेसिंग लाइसेंस है। उन्हें निर्देश दिया जाता है कि वह अपना मौजूदा सरसों तेल, सरसों बीज अथवा किसी अन्य खाद्य तेल के स्टाक को बिना मिलवावट वाले खाद्य तेल के रूप में ही बेचें। ऐसे सभी लाइसेंसधारकों को उनके एफएसएसएआई लाइसेंसों में जरूरी सुधार करने को कहा गया है। एफएसएसएआई ने कहा कि इस संबंध में एक मसौदा नियमन पर काम चल रहा है और अंशधारकों से प्रतिक्रिया लेने के बाद नियमों को अंतिम रूप देने में कुछ समय लगेगा। बहरहाल, तेल उद्योग के कारोबारियों ने सरकार के इस निर्णय को देश में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिहाज से सही दिशा में उठाया गया कदम बताया है। उनका कहना है कि इससे सरसों उत्पादक किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने में मदद मिलेगी।

बार, रेस्तरां संचालकों ने लोगों के बैठने की क्षमता को बढ़ाने को मांग की

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में बार और रेस्तरां के मालिकों राज्य सरकार से ग्राहकों के बैठने की क्षमता को मौजूदा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि वे अभी परिचालन खर्च नहीं निकाल पा रहे हैं, ऐसे में ग्राहकों के बैठने की सीमा को बढ़ाया जाना चाहिये। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये मार्च के अंतिम सप्ताह से लागू देशव्यापी लॉकडाउन के बाद बार और रेस्तरां बंद चल रहे थे। इन्हें एक सितंबर से परिचालन शुरू करने की अनुमति मिली है। हालांकि बार और रेस्तरां को सिर्फ 50 प्रतिशत क्षमता के साथ ही परिचालन की अनुमति है। होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन ऑफ ईस्टर्न इंडिया के अध्यक्ष सुदेश पोद्दार ने कहा, ''हम राज्य सरकार से रेस्तरां और बार में बैठने की क्षमता को बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का आग्रह करेंगे। इस संबंध में सोमवार को राज्य के मुख्य सचिव को एक पत्र भेजा जायेगा।''

रिलायंस रिटेल को सिल्वर लेक से मिले 7,500 करोड़ रुपए, कंपनी ने खरीदी थी 1.75% हिस्सेदारी

नई दिल्ली:

अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की खुदरा इकाई में अमेरिका की निजी इक्विटी कंपनी सिल्वरलेक पार्टनर्स ने 1.75 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले 7,500 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नौ सितंबर को इस सौदे की घोषणा की थी। कंपनी ने तब कहा था कि सिल्वरलेक उसकी इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में 7,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। आरआईएल ने शनिवार को शेयर बाजारों को बताया कि आरआरवीएल को एसएलपी रेनबो होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (सिल्वर लेक) से 7,500 करोड़ रुपए की राशि मिली है। शेयर के आवंटन के बाद एसएलपी रेनबो होल्डिंग्स के पास आरआरवीएल की 1.75 प्रतिशत हिस्सेदारी हो गई है। इस सौदे में आरआरवीएल का मूल्यांकन 4.21 लाख करोड़ रुपए का किया गया। यह रिलांयस इंडस्ट्रीज की किसी इकाई में सिल्वरलेक का इसी साल में अरबों डॉलर का दूसरा निवेश है। इससे पहले सिल्वरलेक ने जिओ प्लेटफॉर्म्स में 1.35 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की थी। सिल्वरलेक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश करने वाली अग्रणी वैश्विक कंपनी है। सिल्वरलेक के पास प्रबंधित संपत्तियों तथा प्रतिबद्ध पूंजी मिलाकर 60 अरब डॉलर से अधिक की पूंजी है। सिल्वरलेक के पास पहले से ही एयरबीएनबी, अलीबाबा, अल्फाबेट की वेरीली और वायमो इकाइयां, डेल टेक्नोलॉजीज, ट्विटर तथा कई अन्य वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों में निवेश है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने खुदरा कारोबार को बढ़ावा देने के लिए पिछले महीने फ्यूचर ग्रुप के खुदरा और लॉजिस्टिक व्यवसायों का 24,713 करोड़ रुपए में अधिग्रहण किया था। जियो प्लेटफॉर्म्स में 9.9 प्रतिशत की हिस्सेदारी के बदले फेसबुक के द्वारा 43,573.62 करोड़ रुपए का निवेश करने के बाद सिल्वरलेक उसमें (जियो प्लेटफॉर्म्स में) पैसा लगाने वाली अमेरिका की पहली निजी इक्विटी कंपनी रही है। सिल्वर लेक ने दो किश्तों में जियो प्लेटफॉर्म्स में कुल 10,202.55 करोड़ रुपए में 2.08 प्रतिशत हिस्सेदारी की खरीद की है। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी निजी इक्विटी कंपनियां केकेआर, विस्टा और जनरल अटलांटिक ने भी जिओ की हिस्सेदारी खरीदने के मामले में सिल्वर लेक का अनुसरण किया। जियो के अन्य उल्लेखनीय निवेशकों में गूगल और अबू धाबी के संप्रभु धन कोष मुबाडाला भी शामिल हैं।

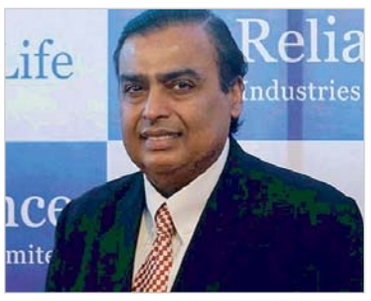

एमएमटीसी-पीएएमपी ने सोने की अदला-बदली, पुनर्खरीद की शुरुआत की

नयी दिल्ली. सोने का शोधन करने वाली सरकारी कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी ने शनिवार को कहा कि उसने कोरोना वायरस महामारी के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए राष्ट्रीय राजधानी में सोने की पुनर्खरीद और अदला-बदली शुरू की है। कंपनी ने कहा कि बेहद कम शुल्क देकर विक्रेता सोने का अधिकतम अपने बैंक खातों में पा सकते हैं या 9999, 999 और 995 शुद्धता वाले सोने की छड़ों के रूप में इसे परिवर्तित कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि दिल्ली के लाजपत नगर केंद्र से शुरू होकर यह सुविधा जल्द ही देश भर में दी जाएगी। एमएमटीसी-पीएएमपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक विकास सिंह ने एक बयान में कहा कि ये वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण समय हैं और सोने की बिक्री करने वाले सुनारों तथा उपभोक्ताओं के लिए कठिनाइयां कुछ समय तक जारी रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि शुद्धता सत्यापन केंद्र में सोने की गुणवत्ता की जांच के लिए उन्नत तकनीक है, जिससे सोने की अधिकतम कीमत मिल सकेगी। कंपनी ने बताया है कि कम से कम 10 ग्राम सोने का परीक्षण किया जाएगा और अगर अदला-बदली या पुनर्खरीद की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो परीक्षण के लिए 1,000 रुपये का शुल्क लिया जाएगा।

हस्तशिल्पियों की मदद के लिये अमेजन ने शुरू किया ऑनलाइन मेला, 55,000 से अधिक उत्पादों का होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली।

ई-वाणिज्य कंपनी अमेजन इंडिया ने हस्तशिल्पियों तथा बुनकरों की मदद करने के लिये शनिवार से ऑनलाइन हथकरघा मेला की शुरुआत की है। यह मेला 10 अक्टूबर तक चलेगा। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इस आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से 270 से अधिक तरह की कला और हस्त-शिल्प को प्रदर्शित किया जायेगा। अमेजन इंडिया ने कहा, 'आठ हजार से ज्यादा कारीगरों और बुनकरों के साथ 1,500 अमेजन कारीगर विक्रेताओं, तंतूजा, हरित खादी, ट्राइब्स इंडिया समेत 17 सरकारी एम्पोरियम और क्राफ्टमार्क व दस्तकारी हाट समिति जैसे राष्ट्रीय स्तर के कारीगर संगठनों को इस आयोजन से फायदा होगा।'

इस आयोजन में 55,000 से अधिक अद्वितीय उत्पादों का प्रदर्शन किया जायेगा। इससे ग्राहकों को हथकरघा क्षेत्र, हस्तशिल्प गृह सजावट, रसोई के सामान, हस्तनिर्मित खिलौने, दस्तकारी उत्सव संग्रह जैसे विशिष्ट वर्गों को देखने तथा देश के विभिन्न हिस्सों के कारीगरों व बुनकरों के उत्पादों को खोजने-खरीदने में मदद करेगा। और अन्य, बयान में कहा गया है। अमेजन इंडिया के निदेशक (एमएसएमई एवं विक्रेता अनुभव) प्रणव भसीन ने कहा, 'प्रदर्शनी और मेला ऐसे प्राथमिक मार्ग हैं, जिनके माध्यम से कारीगर अपने ग्राहकों तक पहुंचने में सक्षम रहे हैं।

हालांकि, अभी जमीनी स्तर पर इस तरह के आयोजन ठप्प हो गये हैं, ऐसे में ऑनलाइन मार्केटप्लेस एक नया जारिया के रूप में उभरा है जो इन विक्रेताओं को त्योहारी सीजन के दौरान देश भर में ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं।'

चेक पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए RBI का बड़ा कदम, एक जनवरी से लागू होंगे नए नियम

मुंबई:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंक धोखाधड़ी रोकने के लिए एक जनवरी 2021 से चेक के लिए 'सकारात्मक भुगतान व्यवस्था' शुरू करने का निर्णय किया है। इसके तहत 50,000 रुपए से अधिक भुगतान वाले चेक के लिए महत्वपूर्ण ब्योरा के बारे में दोबारा से पुष्टि करने की जरूरत होगी। इस सुविधा का लाभ उठाना खाताधारक पर निर्भर करेगा। हालांकि, बैंक 5 लाख रुपए और उससे ऊपर की राशि वाले चेक के लिए यह व्यवस्था अनिवार्य कर सकते हैं। सकारात्मक भुगतान व्यवस्था के तहत चेक जारी करने वाले को एसएमएस, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या एटीएम जैसे इलेक्ट्रॉनिक मध्यम से चेक के बारे में कुछ न्यूनतम ब्योरा देना होगा। इसमें तारीख, लाभार्थी के नाम, प्राप्तकर्ता (पेयी) और राशि के बारे में जानकारी देनी होगी। इस ब्योरे का चेक के भुगतान के लिए प्रस्तुत करने से पहले मिलान किया जाएगा। अगर कोई विसंगति पाई जाती है, उसकी जानकारी चेक समाशोधन प्रणाली (चेक ट्रंकेशन सिस्टम सीटीएस) भुगतानकर्ता बैंक और प्रस्तुत करने वाले बैंक को देगा। इसे दुरूस्त करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) सकारात्मक भुगतान की सुविधा विकसित करेगी और प्रतिभागी बैंकों के लिए इसे उपलब्ध कराएगी। आरबीआई ने कहा, ''उसके बाद बैंक 50,000 रुपए और उससे ऊपर के सभी भुगतान के मामले में खाताधारकों के लिए इसे लागू करेंगे। हालांकि इस सुविधा का लाभ लेने का निर्णय खाताधारक करेगा। बैंक 5 लाख और उससे अधिक राशि के चेक के मामले में इसे अनिवार्य कर सकते हैं।'' केंद्रीय बैंक ने कहा कि सकारात्मक भुगतान प्रणाली एक जनवरी 2021 से लागू होगी। बैंकों से इस बारे में ग्राहकों को एसएमएस के जरिए जागरूक करने को कहा गया है। साथ ही वे शाखाओं, एटीएम के साथ-साथ अपनी वेबसाइट और इंटरनेट बैंकिंग पर इसकी पूरी जानकारी देंगे।

मिठाई की दुकानों के लिए सरकार ने जारी किए नए नियम, 1 अक्तूबर से पूरे देश में होंगे लागू

बिजनेस डेस्क:

स्थानीय दुकानों यानी आपके पड़ोस वाली हलवाई की दुकान पर मिलने वाले खाने-पीने के सामान की क्वालिटी में सुधार लाने के लिए सरकार ने नए नियम लागू करने का फैसला किया है। 1 अक्तूबर 2020 के बाद से, स्थानीय मिठाई की दुकानों को भी परातों एवं डिब्बों में बिक्री के लिए रखे गए मिठाई के लिए 'निर्माण की तारीख' तथा उपयोग की उपयुक्त अवधि' जैसी जानकारी प्रदर्शित करनी होगी। मौजूदा समय में, इन विवरणों को पहले से बंद डिब्बाबंद मिठाई के डिब्बे पर उल्लेख करना अनिवार्य है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने नए नियम जारी किए है।

मिठाई की दुकान के लिए क्या है नया नियम

बाजार में बिकने वाली खुली मिठाइयों के इस्तेमाल की समय सीमा अब कारोबारियों को बतानी होगी। कितने समय तक उसका इस्तेमाल ठीक रहेगा उसकी समयसीमा की जानकारी उपभोक्ताओं को देनी होगी। खाद्य नियामक ने इसे अनिवार्य किया है।

कब से लागू होगा नया नियम

एफएसएसएआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्त को लिखे पत्र में कहा, सार्वजनिक हित में और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह तय किया गया है कि खुली मिठाइयों के मामले में बिक्री के लिए आउटलेट पर मिठाई रखने वाली ट्रे के साथ 1 अक्तूबर 2020 से अनिवार्य रूप से उत्पाद की बेस्ट बिफोर डेट प्रदर्शित करनी चाहिए।

क्यों उठाया ये कदम

एफएसएसएआई ने आम लोगों के स्वास्थ्य खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया है। उपभोक्ताओं को बासी/खाने की अवधि समाप्त होने के बाद भी मिठाइयों की बिक्री की सूचना मिलने के बाद इस संबंध में एक निर्देश जारी किया गया है।

ओयो का हिमाचल प्रदेश में 2022 तक अपने कमरों को तीन गुना करने का लक्ष्य

शिमला।

ओयो होटल्स एंड होम्स ने हिमाचल प्रदेश में अपने कमरों की संख्या अगले दो साल में तीन गुना करने का लक्ष्य रखा है। ओयो के संस्थापक एवं समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के साथ मुलाकात के दौरान यह जानकारी दी। अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को बताया कि कंपनी ने कैसे राज्य में रोजगार के अवसरों का सृजन किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने नेटवर्क के विस्तार के जरिये राज्य में रोजगार और उद्यमिता के अधिक अवसरों का सृजन करने को प्रतिबद्ध हैं। ओयो ने राज्य में 2015 में प्रवेश किया था। अब तक वह 570 होटल और 7,500 कमरे जोड़ चुकी है। ये मुख्य रूप से शिमला, धर्मशाला, कसौली और मनाली जैसे पर्यटन स्थलों पर हैं। अग्रवाल ने ठाकुर से कहा कि हिमाचल प्रदेश कंपनी के लिए सबसे बेहतर प्रदर्शन वाले बाजारों में है। कंपनी जल्द राज्य में आर्थिक अवसरों तथा उपस्थिति को दोगुना करने का प्रतिबद्ध है।

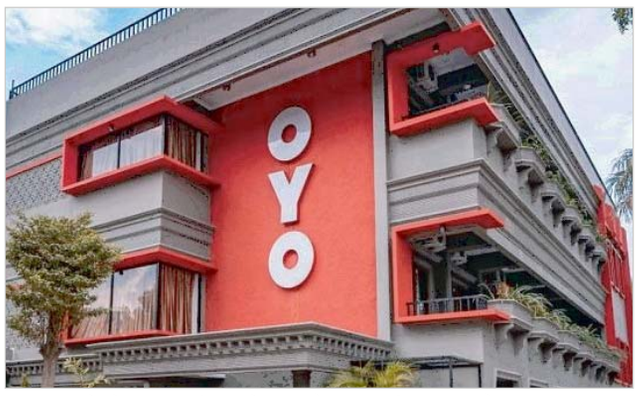

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

द ए-गेम वेबसीरीज को पेश करेंगी विश्व चैंपियन सिंधु

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु वेबसीरीज द ए-गेम वेबसीरीज को पेश करेंगी, जिसमें पांच एथलीट भाग लेंगे। ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने यहां जारी एक मीडिया बयान में कहा, मैं बेसलाइन को बधाई देना चाहती हूं जो एथलीटों को समय पर वापस जाने की अनुमति देता है और उन क्षणों को याद करने का मौका देता है जो उनके करियर को आकार देते हैं। उन्होंने कहा, मैं उनके नए शो द ए-गेम को प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं, जो दबाव की स्थितियों में एलीट वर्ग एथलीटों के बारे में सोचता है और प्रतिक्रिया करता है। यह वेबसीरीज पांच भारतीय एथलीटों पर आधारित होगी, जिन्होंने भारतीय खेल के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल को निखारा है।

आईपीएल-13

विजयी क्रम बरकरार रखना चाहेंगी पंजाब-राजस्थान

(एजेंसी)।

दिल्ली और पंजाब का मैच सुपर ओवर में गया था और दिल्ली जीतने में सफल रही थी। दूसरे मैच में पंजाब ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को पटका था। इस मैच में पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल का बल्ला चला था। उन्होंने नाबाद 132 रनों की पारी खेल टीम को 200 के पार पहुंचाया था। इसके बाद गेंदबाजों ने चैलेंजर्स के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को महज 109 रनों पर ढेर कर दिया था। बेंगलोर के खिलाफ टीम की बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी, दोनों चली थीं। टीम मैनेजमेंट राजस्थान के खिलाफ होने वाले मैच में भी यही उम्मीद करेगी कि यह टीम उसी तरह का संयुक्त प्रदर्शन करे जिस तरह का बेंगलोर के खिलाफ किया था। टीम के लिए अगर कोई चिंता है तो मध्य क्रम में निकोलस पूरन और ग्लैन मैक्सवेल का न चलना। दोनों अभी तक बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए हैं। यहां एक बदलाव की संभावना दिखती है जो टीम मैनेजमेंट कर सकता है। करुण नायर भी कुछ ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पहले मैच में वो सस्ते में आउट हो गए थे। दूसरे मैच में उन्होंने अंत में आकर कुछ अच्छे शॉट्स लगा राहुल का साथ दिया था। पंजाब की गेंदबाजी अभी तक दोनों मैचों में अच्छी रही है। मोहम्मद शमी ने तेज गेंदबाजी में टीम का अच्छे से नेतृत्व किया है। यहां शेल्डन कॉटरेल ने दोनों मैचों में उनका अच्छा साथ दिया। पिछले मैच में जिम्मी नीशम को सिर्फ दो ओवर फेंकने का मौका मिला था, लेकिन जिस तरह की प्रतिभा उनमें है उससे उनका रोल बेहद अहम है। स्पिन में रवि बिश्नोई टीम के नए सितारे बनते दिख रहे हैं। बेंगलोर के खिलाफ खास रणनीति के तहत कोच अनिल कुंबले ने दो लेग स्पिनरों की नीति अपनाई थी और बिश्नोई के साथ मुरुगन अश्विन को भी उतारा था। उनकी यह रणनीति काम कर गई थी। अब देखना होगा कि राजस्थान के खिलाफ वह इसे कायम रखते हैं या बदलाव करते हैं। पंजाब के गेंदबाजों को किसी भी स्थिति में राजस्थान को मामूली तौर पर लेने की जरुरत नहीं है क्योंकि अपने पहले मैच में उसने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया था। राजस्थान के अगर पिछले मैच को देखा जाए तो संजू सैमसन और कप्तान स्टीव स्मिथ का बल्ला जमकर बोला था। लेकिन इन दोनों से पहले और बाद में कोई और बल्लेबाज रन नहीं कर सका था। युवा यशस्वी जायसवाल अपने पहले मैच में सस्ते में आउट हो गए थे। अनुभवी रॉबिन उथप्पा, डेविड मिलर ने भी निराश किया था। स्थिति यह थी कि अगर जोफा आर्चर आखिरी ओवर में चार छक्के नहीं लगाते तो टीम संजू और स्मिथ की शुरुआत को बर्बाद कर 200 रन भी नहीं बना पाती। पंजाब के संतुलित गेंदबाजी आक्रमण के सामने उसे और सतर्क रहना होगा। गेंदबाजी में भी टीम के लिए चिंता है। आर्चर को छोड़कर कोई और गेंदबाज पहले मैच में असरदार नहीं दिखा था। राहुल तेवतिया ने जरुर अहम समय पर विकेट निकाल टीम की जीत पक्की की थी, लेकिन वह खर्चीले भी रहे थे। जयदेव उनादकट, टॉम कुरैन, श्रेयस गोपाल का भी यही हाल था। पंजाब के बल्लेबाजों के खिलाफ इन सभी को और संयमित गेंदबाजी करने की जरूरत होगी।

डुप्लेसिस के पास ऑरेंज कैप और रबादा के पास पर्पल कैप

दुबई।

चेन्नई सुपर किंग्स के विस्फोटक बल्लेबाज फॉफ डु प्लेसिस और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में दिल्ली और चेन्नई के बीच शुक्रवार को समाप्त हुए मैच के बाद फिलहाल में क्रमशः ऑरेंज कैप और पर्पल कैप धारी हैं। ऑरेंज कैप सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में टॉप पर रहने वाले बल्लेबाजों को और पर्पल कैप सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में टॉप पर रहने वाले गेंदबाज को दिया जाता है। डु प्लेसिस ने चेन्नई के लिए तीन मैचों में 173 रन बनाए हैं और वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में टॉप पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली के खिलाफ 34 गेंदों पर 43 रन बनाए। हालांकि चेन्नई को इस मैच में 44 रनों से हार का सामना करना पड़ा। किंग्स इलेवन पंजाब के लोकेश राहुल दो मैचों में 153 रनों के साथ दूसरे और उनके टीम साथी मयंक अग्रवाल दो मैचों में 115 रनों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। गेंदबाजों की सूची में रबादा दो मैचों में पांच विकेट के साथ टॉप पर हैं। चेन्नई के सैम कुरैन तीन मैचों में पांच विकेट के साथ दूसरे और किंग्स इलेवन पंजाब के मोहम्मद शमी चार विकेटों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स लगातार दो जीत के साथ चार अंक लेकर अंकतालिका में टॉप पर है। पंजाब दूसरे और मुंबई इंडियंस तीसरे नंबर पर है।

गोल्फ : लाहिड़ी और अटवाल ने कोरालेस पुंटकाना चैंपियनशिप में हासिल किया कट

पुंटकाना (डोमिनिकन गणराज्य)।

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी और अर्जुन अटवाल ने यहां कोरालेस पुंटकाना चैंपियनशिप के दूसरे राउंड में कट हासिल कर लिया है। 33 साल के लाहिड़ी ने अच्छी शुरुआत की और वह 12 होल तक तीन अंडर चल रहे थे। लेकिन बाद में काफी शॉट ड्राप करने से इवन पार का कार्ड ही खेल सके। इसके बावजूद वह कट लगाने में सफल रहे। दूसरी तरफ 47 साल के अटवाल ने अंतिम तीन होल में से दो में बर्डी की बदौलत तीन अंडर 141 के स्कोर की कट लाइन में प्रवेश करने में कामयाब रहे। हालांकि अक्षय भाटिया (69-73) और डेनियल चोपड़ा (75-80) कट लगाने से चूक गए।

लगातार दूसरी हार के बाद बोले धोनी, हमारे बल्लेबाजी क्रम में सुधार की जरूरत

दुबई।

दिल्ली कैपिटल्स (DC) ने शुक्रवार को IPL-13 में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) को 44 रनों से हराया। इस मैच में हालांकि दिल्ली की फील्डिंग अच्छी नहीं रही थी, लेकिन टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि, वह फील्डरों को ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे, क्योंकि परिस्थितियां ठीक नहीं थीं। वहीं हार के बाद चेन्नई के कप्तान धोनी ने कहा कि, टीम की बल्लेबाजी में कमी है और इसमें सुधार करना होगा। दिल्ली ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चेन्नई को 176 रनों का लक्ष्य दिया था। चेन्नई 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 131 रन ही बना सकी। दिल्ली की लीग में यह लगातार दूसरी जीत है, जबकि चेन्नई को तीन मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। मैच में शिमरन हेटमायेर ने फाफ डु प्लेसिस के 2 कैच छोड़े थे। ग्राउंड फील्डिंग में भी दिल्ली की टीम कमजोर रही थी।

मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से काफी खुश हूं: अय्यर

मैच जीतने के बाद अय्यर ने कहा, मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से काफी खुश हूं। मैं फील्डरों को संदेह का लाभ दूंगा, क्योंकि यहां कैच के लिए अच्छी स्थितियां नहीं हैं। यहां लाइटिंग के कारण परेशानी होती है। कई बार आप गेंद को जज नहीं कर पाते हो। आप पूरी मेहनत से कैच पकड़ने जाते हो और गेंद काफी तेजी से आती है। आपको पता नहीं होता कि आपको अपने आप को कहां रखना है।

हमारे बल्लेबाजी क्रम में सुधार की जरूरतः धोनी

वहीं धोनी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि, यह हमारे लिए अच्छा मैच था। विकेट धीमी हो गई थी। ओस भी नहीं थी। लेकिन मुझे लगता है कि, हमारे बल्लेबाजी क्रम में कमी है।

हमें इसका पता लगाना होगा। अगले सात दिन का ब्रेक हमारे लिए इस बात का पता लगाने का मौका देगा। टीम के पहले मैच की जीत के हीरो अंबाती रायडू बीते 2 मैच नहीं खेले हैं। धोनी ने उम्मीद जताई है कि वह अगले मैच में खेलेंगे। धोनी ने कहा, रायडू को अगला मैच खेलना चाहिए। वह हमें एक अतिरिक्त गेंदबाज को खेलाने का प्रयोग करने का मौका देंगे।

संक्षिप्त समाचार

टेनिस : सितसिपास हैम्बर्ग ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

हैम्बर्ग (जर्मनी)। स्टेफानोस सितसिपास ने डुसेन लाजोविच को हराकर यहां जारी हैम्बर्ग यूरोपियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।ईएसपीएन की रिपोर्ट के अनुसार, सितसिपास 16 महीने में पहली बार किसी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वर्ल्ड नंबर-6 सितसिपास पहले सेट टाईब्रेकर में 3-5 से पीछे थे लेकिन फिर उन्होंने लगातार चार अंक लेते हुए उन्होंने 7-6 (5), 6-2 से जीत अपने नाम कर ली। सेमीफाइनल में सितसिपास का सामना चिली के क्रिस्टियन गेरीन से होगा। गेरीन 2020 में क्ले कोर्ट पर दो खिताब जीत चुके हैं। गेरीन ने एक अन्य मुकाबले में कजाखिस्तान के अलेक्जेंडर 3-6, 6-4, 6-4 से मात दी।

फील्डरों के लिए परिस्थिति मुश्किल थीः अय्यर

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को आईपीएल-13 में चेन्नई सुपर किंग्स को 44 रनों से हरा कर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इस मैच में हालांकि दिल्ली की फील्डिंग अच्छी नहीं रही थी, लेकिन टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि वह फील्डरों को ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे क्योंकि परिस्थितियां ठीक नहीं थीं। शिमरन हेटमायेर ने फाफ डु प्लेसिस के दो कैच छोड़े। ग्राउंड फील्डिंग में भी दिल्ली की टीम कमजोर रही। मैच के बाद अय्यर ने कहा, मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से काफी खुश हूं। मैं फील्डरों को संदेह का लाभ दूंगा क्योंकि यह कैच के लिए अच्छी स्थितियां नहीं हैं। लाइटिंग के कारण परेशानी होती है। कई बार आप गेंद को जज नहीं कर पाते हो। आप पूरी मेहनत से कैच पकड़ने जाते हो और गेंद काफी तेजी से आती है। आपको पता नहीं होता कि आपको अपने आप को कहां रखना है। दिल्ली की यह लगातार दूसरी जीत है जबकि चेन्नई को तीन मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है।

किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ कड़े मुकाबले की उम्मीद : बटलर

शारजाह।

आईपीएल की पूर्व चैंपियन राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने उम्मीद जताई है कि रविवार को यहां शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ होने वाले मैच में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। लीग के 13वें सीजन में राजस्थान का यह दूसरा मुकाबला होगा और उसकी नजरें लगातार दूसरी जीत पर लगी हुई है। राजस्थान ने अपने पहले मैच में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर टूर्नामेंट में अपनी विजयी शुरुआत की थी। बटलर पहले मैच में टीम के लिए नहीं खेले थे। बटलर ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से एक बयान में कहा, बोर्ड पर जीत दर्ज करना शानदार रहा। टीम ने पहले मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां मुश्किल रहने के बावजूद, बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमाल की थी। उन्होंने कहा, मैं अपना पहला मैच खेलने के लिए बेहद उत्साहित हूं। खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग पर वापस लौटना अच्छा रहा। टीम के आसपास का माहौल बहुत ही अच्छा है और मैं मैदान पर उतरने के लिए बहुत ही उत्सुक हूं। टीम की ऊर्जा अदभुत है और निश्चित रूप से पहला मैच जीतने के बाद टीम के अंदर काफी आत्मविश्वास है। इंग्लैंड के बल्लेबाज ने किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल की भी जमकर तारीफ की, जिन्होंने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 132 रनों की नाबाद पारी खेली थी और पंजाब ने इस मैच को 97 रन से जीता था। बटलर ने कहा, ट्रेनिंग बहुत ऊजार्वान रही है। खिलाड़ी तैयार हैं और वे एक-दूसरे की कंपनी का आनंद ले रहे हैं। इसलिए हां (यह एक है) चारों ओर अच्छा माहौल (और हम हैं) किंग्स इलेवन के खिलाफ एक बहुत कड़े मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, स्पष्ट रूप से एक शानदार टीम, राहुल आरसीबी के खिलाफ असाधारण रूप में थे, इसलिए वह हमेशा की तरह एक महत्वपूर्ण विकेट होंगे और मुझे लगता है कि हम शारजाह में एक और उच्च स्कोरिंग वाले मैच देखेंगे जिसकी बाउंड्री छोटी है और ओस भी पड़ती है।

महिला टी-20 : आस्ट्रेलिया की जीत में चमकीं गार्डनर, शट

ब्रिस्बेन। एश्लेग गार्डनर (61) की शानदार बल्लेबाजी के बाद मेगन शट की बेहतरीन चार विकेटों की मदद से आस्ट्रेलिया ने पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड को 17 रनों से हराकर तीन मैचों की टी 20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमें इस साल मार्च में खेले गए टी20 विश्व कप के बाद से अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रही थीं। न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां एलन बॉर्डर मैदान पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। आस्ट्रेलिया ने गार्डनर की 61 रनों की पारी के दम पर छह विकेट पर 138 रन का स्कोर बनाया। गार्डनर ने 41 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा कप्तान मेग लेनिंग ने 24 और राइकल हेयनिस ने 23 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान सोफी डिवाइन ने 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उनके अलावा ली ताहुहु, रोजमेरी मेयर और सुजी बेटस ने एक-एक विकेट लिया। आस्ट्रेलिया से मिले 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से सुजी बेटस ने 33, कप्तान सोफी डिवाइन ने 29, केटी मार्टिन ने 21 रन बनाए। आस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शट ने सर्वधिक चार विकेट लिए। उनके अलावा डेलिसा किमेंसे ने दो और जेस जोनासन ने एक विकेट अपने नाम किए। दोनों टीमों के बीच दूसरा टी20 मैच इसी मैदान पर रविवार को खेला जाएगा।

प्रतियोगिता नहीं होने पर खुद को प्रेरित रखना महत्वपूर्ण : लाकड़ा

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बीच ऐसे में जब कोई भी प्रतियोगिता नहीं हो रहा है तो खुद को प्रेरित रखना काफी महत्वपूर्ण है। लाकड़ा ने कहा, यह ऐसी स्थिति है जो हम लोगों में से किसी ने नहीं देखी है। लेकिन एक एथलीट होने के नाते हमें सकारात्मक रहना होगा और खुद को प्रेरित रखना होगा।उन्होंने कहा, जब मैं चोटिल था तो मुझे काफी परेशानी होती थी और मैं ज्यादातर चीजें नहीं कर पाता था। मैं दूसरों पर निर्भर था और साथी खिलाड़ियों को खेलते हुए देखता था और मैं नहीं खेलता था। यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लेकिन उस दौर ने मुझे लॉकडाउन की चुनौतियों से पार पाने में काफी मदद की। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के शुरू होने के साथ ही वैश्विक हॉकी की फिर से शुरुआत हो गई है और लाकड़ा टीम के भविष्य को लेकर आशावादी हैं। उन्होंने कहा, नेशनल कैम्प में लौटना अच्छा लगा। इसके लिए हॉकी इंडिया की शुक्रिया। इसके बाद अब हम अपनी तैयारियां फिर से शुरू कर पाएंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजों को ग्लूकोज चढ़वाने की जरूरत : सहवाग

दुबई।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज अब तक फ्री होकर नहीं खेल पा रहे हैं और ना ही वो तेजी से रन बना पा रहे हैं और इसलिए अपनी खेल में तेजी लाने के लिए उन्हें ग्लूकोज चढ़वाने की जरूरत है। सहवाग ने शनिवार को ट्विटर पर कहा, चेन्नई के बल्लेबाज नहीं चल रहे हैं। अगले मैच से बल्लेबाजी करने ग्लूकोज चढ़वाकर आना पड़ेगा। महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में खेल रही चेन्नई सुपर किंग्स को शुक्रवार को आईपीएल के 13वें संस्करण में एक और हार का सामना करना पड़ा। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स ने उसे 44 रनों से हरा दिया। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई कभी भी मैच में नहीं दिखी। उसके लिए एक बार फिर सिर्फ फाफ डु प्लेसिस (43) अकेले लड़े। चेन्नई 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 131 रन ही बना सकी। दिल्ली कैपिटल्स के हाथों शुक्रवार को मात खाने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि टीम की बल्लेबाजी में कमी है और इसमें सुधार करना होगा। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में धोनी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह हमारे लिए अच्छा मैच था। विकेट धीमी हो गई थी। ओस भी नहीं थी। लेकिन मुझे लगता है कि हमारे बल्लेबाजी क्रम में कमी है। हमें इसका पता लगाना होगा। अगले सात दिन का ब्रेक हमारे लिए इस बात की पता लगाने का मौका देगा। टीम के पहले मैच की जीत के हीरो अंबाती रायडू बीते दो मैच नहीं खेले हैं। धोनी ने उम्मीद जताई है कि वह अगले मैच में खेलेंगे। धोनी ने कहा, ÷ रायडू को अगला मैच खेलना चाहिए। वह हमें एक अतिरिक्त गेंदबाज को खेलाने का प्रयोग करने का मौका देंगे। सुपर किंग्स को तीन मैचों में यह दूसरी हार मिली है। उसने अपने पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को हराया था लेकिन उसके बाद उसे राजस्थान रॉयल्स और अब दिल्ली केपिटल्स के हाथों हार मिली है।

जापान अगले साल ओलंपिक के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध : सुगा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा है कि उनका देश 2021 में टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए दृढ़ संकल्प है और वह यह साबित करना चाहता है कि मानवता ने कोविड-19 महामारी को हरा दिया है। सुगा ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, अगले साल की गर्मियों में जापान टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए दृढ़ संकल्प है और वह इस बात को साबित करना चाहता है कि मानवता ने महामारी को हरा दिया है। उन्होंने कहा, सुरक्षित और सुरक्षित रहने वाले खेलों में आपका स्वागत करने के लिए मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। टोक्यो ओलंपिक खेलों का आयोजन इस साल 24 जुलाई से नौ अगस्त तक होना था, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब इन खेलों का आयोजन 23 जुलाई से आठ अगस्त 2021 तक होना है। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमक बॉक ने कहा था कि टोक्यो ओलंपिक-2020 के लिए वैक्सीन और रैपिड टेस्टिंग एक समाधान न हो लेकिन वैक्सीन के होने से अगले साल होने वाले खेलों को आयोजित करने में मदद मिलेगी। हाल में आईओसी की बोर्ड बैठक के बाद जब कॉन्फ्रेंस में बॉक से वैक्सीन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, वह समाधान नहीं है, लेकिन उनसे खेलों को आयोजित करने में मदद मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

डीएम, एडीएम के 'भ्रष्टाचार' के खिलाफ धरना देने वाले SDM पर गिरी गाज, अनुशासनहीनता में निलंबित

प्रतापगढ़. उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में डीएम और एडीएम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले और डीएम आवास पर धरना देने वाले एसडीएम विनीत उपाध्याय निलंबित कर दिए गए हैं. शासन की तरफ से एसडीएम विनीत उपाध्याय को निलंबित करने का फरमान जारी हो गया है. उन पर अनुशासनहीनता के कारण ये कार्रवाई हुई है. इसके अलावा पूरे मामले की जांच इलाहाबाद के कमिश्नर को सौंप दी गई है. इलाहाबाद कमिश्नर मामले में पूरी जांच करेंगे और जांच कर रिपोर्ट शासन को सौंपेंगे.

धरने पर बैठते ही मच गया हड़कंप

बता दें शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रतापगढ़ में डीएम आवास के अंदर एसडीएम विनीत उपाध्याय धरने पर बैठ गए. उन्होंने प्रतापगढ़ के डीएम रूपेश कुमार और एडीएम शत्रोहन वैश्य पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए. उधर एसडीएम के बैठने से प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मच गया.

लगाए गंभीर आरोप

दरअसल एसडीएम विनीत उपाध्याय लालगंज इलाके में पट्टा आवंटन में खेल कराने से ख़फ़ा थे. एसडीएम विनीत उपाध्याय का आरोप है कि स्कूल की रिपोर्ट लगाने के लिए उन पर दबाव बनाया गया था. बताया जा रहा है कि जिले के लालगंज इलाके में संचालित स्कूल की एक रिपोर्ट को लेकर एडीएम ने उन पर दबाव बनाया था.

4 घंटे बाद धरना किया था खत्म

डीएम आवास के अंदर मीडिया के जाने पर रोक लगा दी गई. इसके अलावा मौके पर सीओ सहित भारी पुलिसबल तैनात कर दिया गया. काफी मनाने के बाद भी एसडीएम नहीं माने और अफसरों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे. आखिरकार कई घंटे की मशक्कत के बाद करीब 4 घंटे बीते तब जाकर एसडीएम विनीत उपाध्याय शांत हुए. उन्होंने मामले की जांच कराने के आश्वासन के बाद धरना खत्म किया.

डीएम आवास पर बैठ गए जमीन पर

एसडीएम विनीत उपाध्याय को मंडलायुक्त, प्रयागराज ने तलब किया. डीएम आवास पर धरना समाप्त करने के बाद एसडीएम सीधे प्रयागराज रवाना हुए. दरअसल एसडीएम के धरने से प्रशासन की किरकिरी होने के बाद उन्हें तलब किया गया. बता दें पीसीएस अधिकारी विनीत उपाध्याय ईमानदार छवि के अधिकारी माने जाते हैं.

अयोध्या: नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी दरोगा ने युवती किया रेप, अब पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या. नगर कोतवाली क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली एक युवती ने जनपद के इनायतनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक फर्जी दरोगा पर पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है. युवती का आरोप है कि फर्जी दरोगा ने उसे नौकरी दिलाने का विश्वास दिलाया था और इसी भरोसे में पड़कर युवती ने उस फर्जी दरोगा से जान पहचान बना ली. जिसका फायदा उठाकर फर्जी दरोगा ने युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया.

डीआईजी एसएसपी दीपक कुमार के मुताबिक , कोतवाली नगर क्षेत्र में ही ब्यूटी पार्लर चलाने वाली एक युवती की जान पहचान इनायतनगर के रहने वाले अरविंद गौतम से हो गई. अरविंद गौतम ने खुद को पुलिस विभाग का दरोगा बताया और बाकायदा वर्दी पहनकर युवती से मुलाकात की. यह देखकर युवती धोखा खा गई और अरविंद गौतम को पुलिस विभाग का दरोगा समझ बैठी. जालसाज युवक ने भरोसे में लेने के लिए युवती का शहर के एक प्राइवेट लैब से मेडिकल टेस्ट भी कराया और रुदौली तहसील में एफिडेविट भी बनवाया था, जिससे युवती को इस बात का भरोसा हो जाए कि उसकी नौकरी को लेकर कार्यवाही चल रही है.

दरोगा ने मवई में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया

युवती का आरोप है कि इसी बीच जालसाज फर्जी दरोगा ने मवई में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. डीआईजी एसएसपी दीपक कुमार ने बताया कि युवती की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया है. आरोपियों के पास से दरोगा की वर्दी भी बरामद हुई है. कोतवाली नगर क्षेत्र में ही युवती ब्यूटी पार्लर चलाती है और सिपाही बनने के लिए फ़र्ज़ी दरोगा के झांसे में आकर अस्मत भी गंवा दी. युवती अब अपने किये पर पछता रही है. सब गंवा देने के बाद युवती ने नगर पुलिस से मामले की शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने फ़र्ज़ी दरोगा को मवई इलाके से गिरफ्तार कर लिया है.

माफिया मुख्तार अंसारी की बढ़ी मुश्किलें, एक केस में जारी हुआ Warrant B तो दूसरी तरफ पत्नी के खिलाफ NBW

मऊ में जमीन के एक मामले में मुख्तार अंसारी की पत्नी आफशा अंसारी और मुख्तार के दो सगे साले आतिफ और अनवर सहित 5 के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो गया है.

मऊ. जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं. एक तरफ फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से शस्त्र लाइसेंस हासिल करने के मामले में मऊ पुलिस ने उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट बी हासिल कर लिया है. वहीं दूसरी तरफ जमीन के एक मामले में मुख्तार अंसारी की पत्नी आफशा अंसारी और मुख्तार के दो सगे साले आतिफ और अनवर सहित 5 के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो गया है.

ये है पूरा मामला

दरअसल 2009 में ठेकेदार मन्ना सिंह हत्याकांड की जांच में ठेकेदारों को धमका कर 10 प्रतिशत की अवैध वसूली करके मुख्तार अंसारी को लाभ पहुंचाने के मामले में 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. जिले के दक्षिणटोला थाने पर 9 अगस्त को केस नंबर 129/2020 धारा 419/420 /433/434/447/467/468/471 आईपीसी व 3/4 लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम बनाम विकास कंस्ट्रक्शन रजदेपुर देहाती रौजा जनपद गाजीपुर के पार्टनर आतिफ मामले में जांच के दौरान माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी आफशा अंसारी और उनके दो सगे साले सहित 5 लोगों के नाम प्रकाश में आये है. इनके खिलाफ आज मऊ सीजेएम कोर्ट से एनबीडब्ल्यू जारी हुआ और कार्रवाई की जा रही है.

केस में आफशा अंसारी पत्नी मुख्तार अंसारी निवासी तरंजी मोहल्ला थाना मोहम्मदाबाद युसुफपुर जनपद गाजीपुर और मुख्तार के दो साले आतिफ उर्फ सरजील रजा व अनवर शहजाद के साथ मे जाकिर उर्फ विक्की और रवि नरायन सिंह के खिलाफ सीजेएम कोर्ट से एनबीडब्ल्यू जारी किया गया है.

इसी साल जनवरी में मुख्तार के खिलाफ दर्ज हुआ था केस

पुलिस अधीक्षक सुशील घुले ने बताया कि माफिया मुख्तार अंसारी वर्तमान समय मे रूपनगर मोहाली (पंजाब) जेल में बंद है. उसने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर शस्त्र लाइसेंस प्राप्त किया था, जिसके संबंध में कार्रवाई करते हुए वारंट बी अंतर्गत धारा 267 सीआरपीसी जारी करते हुए दक्षिण टोला में पांच जनवरी 2020 को मुकदमा दर्ज किया गया था. इसमें आईपीसी की धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120बी व शस्त्र अधिनियम बनाम मुख्तार अंसारी सहित 6 अभियुक्तों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए सीजीएम कोर्ट से वारंट जारी किया गया है.

मुख्तार गिरोह को लाभ पहुंचाने वाले संतोष सिंह सहित 4 अन्य भी नपे

इसके अलावा मुख्तार अंसारी गिरोह को लाभ पहुंचाने वाले और मन्ना सिंह हत्या मे सह अभियुक्त रहे संतोष सिंह सहित 4 पर अभियोग पंजीकृत किया गया. एसपी ने बताया कि बताया कि ठेकेदारों को डरा-धमकाकर टेंडर डालने से रोकना तथा जान से मारने की धमकी देना एवं फर्मों से 10 प्रतिशत अवैध धन की वसूली करके मुख्तार अंसारी को लाभ पहुंचाने की बात प्रकाश में आई है, जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा संख्या 515/20 धारा 384, 420, 506, 120बी भादवि पंजीकृत किया गया है, जिसमें संतोष कुमार सिंह, जो वर्ष 2009 में हुई मन्ना सिंह की हत्या में अभियुक्त भी है, के साथ अनूप कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, अशोक राय पर कार्रवाई की गई.

राजस्थान में 1 अक्टूबर से हो सकती है मॉनसून की वापसी, दिल्ली में नहीं होगी बारिश!

नई दिल्ली. मौसम विभाग ने शुक्रवार को कहा कि देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भागों में बारिश की संभावना नहीं है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून की वापसी का समय करीब है. विभाग ने साथ ही इन भागों में अधिकतम तापमान सामान्य सीमा से अधिक रहने का अनुमान जताया. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के अधिकतर हिस्सों में शुक्रवार को बारिश नहीं हुई.

वहीं, निजी मौसम एजेंसी 'स्काईमेट वेदर' ने पूर्वानुमान जताया कि पश्चिमी राजस्थान से एक अक्तूबर से मॉनसून की वापसी हो सकती है. इसके मुताबिक, उत्तर भारत के बड़े हिस्से से सात अक्टूबर तक मॉनसून की वापसी पूरी हो सकती है. वहीं, दिल्ली में लगातार 17वें दिन भी बारिश दर्ज नहीं की गई और मौसम उमस भरा बना रहा.

दिल्ली में मानसून की कोई बारिश अभी संभव नहीं है

आईएमडी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में फिलहाल मॉनसून की कोई बारिश अभी संभव नहीं है और बारिश के अभाव में अगले कुछ दिनों में पारा कुछ और बढ़ने की संभावना है. इस बीच, हरियाणा और पंजाब में भी शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य सीमा से अधिक दर्ज किया गया. हरियाणा के नारनौल में अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. पंजाब के अमृतसर में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. हालांकि, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में शुक्रवार को मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई.

दिल्ली में बुधवार को हल्की बारिश होने की संभावना जतायी थी

बता दें कि बीते 23 सितंबर को मौसम विभाग ने दिल्ली में बुधवार को हल्की बारिश (Rain) होने की संभावना जतायी थी. मौसम विभाग के अनुसार यह बारिश मॉनसून के मौसम की आखिरी बारिश हो सकती है. मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार दिल्ली में पिछले दो सप्ताह से बारिश नहीं हुई थी. सफदरजंग वेधशाला में आठ सितम्बर को 1.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी. इस महीने दिल्ली में केवल तीन दिन बारिश हुई है, जो कि 2016 के बाद सबसे कम है.

उज्जैन में भीषण सड़क हादसा, दो गाड़ियों की टक्कर में 4 मजदूरों की मौत, 8 घायल

जिला अस्पताल में घायल ने बताया कि सभी लोग कटनी (katni) के रहने वाले हैं जो कि नीमच में मजदूरी के लिए निकले थे. लेकिन उससे पहले ही उनकी गाड़ी ट्रॉले से जा टकराई.

उज्जैन. मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां एक भीषण सड़क हादसा हुआ है. इस भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है. वहीं, इस घटना से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है.

जानकारी के मुताबिक, मामला उज्जैन के दताना मताना क्षेत्र का है. कहा जा रहा है कि मजदूरों से भरी तूफान गाड़ी ट्रॉले से टकरा गई. इस भीषण हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबिक 8 मजदूर घायल हो गए. सभी मजदूर काम करने के लिए कटनी से नीमच जा रहे थे.

आमने- सामने की हुई भिड़ंत के चलते तूफान गाड़ी के परखच्चे उड़ गए

उज्जैन के दताना मताना के पास आज सुबह करीब 4:00 बजे ट्रॉले और मजदूरों से भरी तूफान गाड़ी में भीषण टक्कर हो गई. दोनों गाड़ियों के बीच आमने- सामने की हुई भिड़ंत के चलते तूफान गाड़ी के परखच्चे उड़ गए. जबरदस्त टक्कर के बाद तूफान में बैठे चार लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई. दुर्घटना की खबर मिलते ही नरवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस मंगाकर घायलों को उज्जैन जिला चिकित्सालय में भेजा गया. 8 लोग को उज्जैन के जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है.

सभी लोग कटनी के रहने वाले हैं

जिला अस्पताल में घायल ने बताया कि सभी लोग कटनी के रहने वाले हैं जो कि नीमच में मजदूरी के लिए निकले थे. लेकिन उससे पहले ही उनकी गाड़ी ट्रॉले से जा टकराई. ट्रॉले का ड्राइवर और क्लीनर फरार बताए जा रहे हैं.

दूसरे राज्यों से शादी कर के आईं बहुओं को नौकरी और चुनावों में नहीं मिलेगा आरक्षण: राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर. राजस्थान में अब किसी भी बाहरी व्यक्ति को सरकारी नौकरी और चुनावों में आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा. राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह साफ कर दिया है. दरअसल, जस्टिस सतीश कुमार शर्मा की एकलपीठ ने प्रेम देवी व अन्य याचिकाओं को खारिज करते हुए फैसला दिया कि दूसरे राज्य से विवाह करके आने वाली महिला या प्रवासी प्रदेश में सरकारी नौकरी और चुनाव में आरक्षित सीट के लिए दावेदारी नहीं कर सकते हैं. चाहे वे राजस्थान और मूल राज्य में एक ही आरक्षित वर्ग की सूची में भी क्यों न शामिल हो. कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि आरक्षित वर्ग के प्रवासियों को अन्य सरकारी लाभ के लिए प्रमाण पत्र जारी हो सकते है. लेकिन संबंधित विभाग इन प्रमाण पत्रों पर यह स्पष्ट अंकित करेगा कि यह प्रमाण पत्र सरकारी नौकरी या चुनाव लड़ने के लिए मान्य नहीं होगा.

पंचायत चुनावों को लेकर मामला पहुंचा कोर्ट

दरअसल, यह पूरा मामला पंचायत चुनाव में आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक जाति प्रमाण पत्र को लेकर शुरू हुआ था. जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं होने पर बड़ी संख्या में याचिकाकर्ता कोर्ट पहुंच गए थे. याचिकाकर्ताओं का कहना था कि राजस्थान में उनके पति की जाति भी उसी श्रेणी में आती है, जो श्रेणी उनकी मूल राज्य में है. शादी के बाद से वे राजस्थान में ही निवास कर रही हैं. ऐसे में उनको आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता है. इस पर 18 सितम्बर को जस्टिस अशोक कुमार गौड़ की अदालत ने याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देते हुए उन्हें नामांकन की इजाज़त दे दी थी. लेकिन साथ ही यह निर्देश दिए थे कि इनका नामांकन कोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन रहेगा. इसके बाद मामला जस्टिस सतीश कुमार शर्मा के यहां लगा, जहां उन्होंने सभी पक्षों को सुनने के बाद पंचायत चुनावों में आरक्षण के लाभ का दावा करने वाली सभी प्रवासियों की याचिकाओं को खारिज कर दिया.

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ कर चुकी है तय

इस पूरे मामलें में सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने बताया कि यह मामला 1990 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ तय कर चुकी है. संविधान पीठ ने अपने फैसले में साफ कर दिया था कि आरक्षण का लाभ व्यक्ति अपने मूल राज्य में ही ले सकता है. अन्य राज्य में माइग्रेट होकर जाने पर भी उसे आरक्षण का लाभ देय नहीं होगा. विस्थापित होकर दूसरे राज्य में आने पर वहां नौकरी और चुनाव सहित अन्य लाभ का दावा करते हुए प्रमाणपत्र नहीं मांग सकता है.

बिहार चुनाव: पहले चरण में कोरोना और नक्सली से एक साथ निपटने की चुनौती, चुनाव आयोग कर रहा खास तैयारी

➤चुनाव आयोग ने नक्सल प्रभावित इलाकों में प्रथम चरण में ही मतदान कराने की कोशिश की है. इन क्षेत्रों में चुनाव आयोग को कोरोना की एडवयाजरी के पालन कराने के साथ ही नक्सलियों के मुवमेंट को रोकने के लिए खास कदम उठाने होंगे.

गया. चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव को तीन चरणों में कराने की घोषणा की है. जिसमें मगध प्रमंडल के पांच जिलों के साथ ही कुल 16 जिला के 71 विधानसभा में प्रथम चरण में मतदान होगा. इसके लिए 1 अक्टूबर 2020 को अधिसूचना जारी होने के बाद 8 अक्टूबर तक नामांकन पत्र प्रत्याशी द्वारा भरा जायेगा. 9 अक्टबूर को स्क्रूटनी होगी जबकि 12 अक्टूबर तक नामांकन में वैध पाये जाने वाले प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकेंगे. 26 अक्टूबर की शाम तक ये प्रत्याशी खुद के लिए जनता के बीच जाकर अपने लिए वोट का समर्थन मांग सकेंगे. चुनाव आयोग द्वारा घोषणा किये जाने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिकर स्तर पर तैयारी को लेकर हलचल तेज हो गयी है.

इन जिलों में होगा पहले चरण का मतदान

चुनाव आयोग ने नक्सल प्रभावित इलाकों में प्रथम चरण में ही मतदान कराने की कोशिश की है. प्रथम चरण में 16 जिला- भागलपुर, बांका, मुगेर, लखीसराय, शेखपुरा, पटना, भोजपुर, बक्सर, सासाराम, कैमूर, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई जिला के 71 विधानसभा सीट पर मतदान होना है. इनमें से भभुआ, सासाराम, औरंगाबाद, गया, नवादा, लखीसराय, मुगेर एवं जमुई जिला के करीब दो दर्जन विधानसभा क्षेत्र अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र हैं. इन क्षेत्रों में चुनाव आयोग को कोरोना की एडवयाजरी के पालन कराने के साथ ही नक्सलियों के मुवमेंट को रोकने के लिए खास कदम उठाने होंगे. इसके लिए इन क्षेत्रों में जिला पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बलों की तैनाती करनी होगी.

इन इलाकों में शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित मतदान कराने के लिए चुनाव आयोग ने कई निर्देश दिये हैं. गया के एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश पर संबंधित जिले में पिछले एक माह से जिला पुलिस अर्धसैनिक बलों की मदद से सर्च ऑपरेशन चला रही है ताकि नक्सली को ठिकाना बनाने का मौका नहीं दिया सके. इन इलाकों में पहले से ही सीआरपीएफ, कोबरा, एसएसबी एवं अन्य एजेंसी पहले से ही अभियान चला रही है. वहीं चुनाव के मौके पर अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त कंपनी की डिमांड की गयी है. उन्हें उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानससभा चुनाव भी शांतिपूर्ण तरीके से कराने में सफलता मिलेगी.

गौरतलब है कि इन नक्सली संगठनों ने पिछले कई चुनाव में विभिन्न हथकंडों के जरिये मतदान को बाधा पहुंचाने की कोशिश की है. इसमे मतदान केन्द्र को क्षतिग्रस्त करने के साथ ही रास्ते में आईईडी बम लगाने एवं सुरक्षाबलों का निशाना बनाने की घटना को अंजाम दिया है.

पूर्व सीएम समेत कई मंत्रियों के भाग्य का होगा फैसला

प्रथम चरण के 71 विधानसभा में बिहार सरकार के कई मंत्री और विपक्षी दलों के के दूसरे वीआईपी राजनेताओं के किस्मत का फैसला होगा और इसके साथ ही कई दिग्गज राजनेताओं के प्रभाव का भी पता चल सकेगा. इस चरण में जिन मंत्रियों के

भाग्य का फैसला होना है उसे कृषि एवं पुशपालन मंत्री प्रेम कुमार, शिक्षा मंत्री कृष्णंदन वर्मा, श्रम संसाधन मंत्री विजय कुमार सिन्हा, भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री रामनारायण मंडल, खनन मंत्री बृजकिशोर बिंद, विज्ञान एवं तकनीक मंत्री जय कुमार सिंह, परिवहन मंत्री संतोष निराला, ग्रामीण कार्य मंत्री शैलेस कुमार की किस्मत का फैसला होगा.

वहीं इस चरण में पूर्व सीएम जीतनराम मांझी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदयनारायण चौधरी, पूर्व मंत्री विनोद यादव, पूर्व मंत्री सुरेन्द्र यादव, पूर्व मंत्री अवधेश सिंह, पूर्व मंत्री रामाधार सिंह, पूर्व मंत्री सदानंद सिंह जैसे दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर होगी.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2020 खत्म होने से पहले अमेरिका बना सकता है इतिहास, कोविड-19 के टीके को लेकर हुआ नया ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क।

व्हाइट हाउस ने वीरवार को कहा कि कोविड-19 के टीके के साल के अंत तक आने की उम्मीद है और यदि ऐसा होता है, तो यह किसी भी वायरस के टीके को विकसित करने में लगा सबसे कम समय होगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केली मेकनैनी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि टीका साल के अंत तक आ जाएगा। यह हमारा हमेशा से लक्ष्य रहा है और हम इस पर काम कर रहे हैं। मेकनैनी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वाणिज्यिक स्तर पर निर्माण के संबंध में जो किया है, वह बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले ही टीकों के निर्माण की क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर ली है। वह एक उद्योगपति हैं, इसलिए वह रिकॉर्ड समय में टीकों को लाने और उसे वितरित करने के बारे में सोचते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि ऐसा करने के लिए, आम तौर पर वाणिज्यिक-स्तर के उत्पादन में कई वर्षों का समय लगता है, लेकिन राष्ट्रपति ने कुछ महीनों में ही यह कर दिखाया। अगर यह टीका साल के अंत तक आ गया तो, अभी तक के इतिहास में किसी वायरस के टीके को बनने में लगा यह सबसे कम समय होगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार गूंजी सऊदी किंग की आवाज, खास मुद्दों पर की बात

इंटरनेशनल डेस्क:

संयुक्त राष्ट्र के 75वें सत्र दौरान 22 सितंबर को शुरू हुई आम महासभा की उच्चस्तरीय बैठक इस बार कई मायनों में खास है। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में यह पहला मौका है जब इस आम महासभा की बैठक वर्चुलअ तरीके से हो रही है। कोविड-19 की बदौलत दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष अपने प्री रिकॉडेड वीडियो मैसेज के जरिए इस बार इस महासभा को संबोधित कर रहे हैं। इसके अहम होने की एक वजह सऊदी अरब के किंग सलमान बने हैं। दरअसल, सलमान बिन अब्दुलअजीज अल साउद, वर्ष 2015 में अपने भाई नाएफ बिन अब्सदुलअजीज के निधन के बाद शाह बने थे। इसके बावजूद उन्होंने कभी भी संयुक्त राष्ट्र की आम महासभा को संबोधित नहीं किया था। इस बार ऐसा पहली बार हुआ कि उन्होंने इस महासभा का वर्चुअल तरीके से संबोधित किया। उनके संबोधन के तीन बेहद खास बिंदु रहे। इसमें पहला था इस्लामिक देश और आतंकवाद, दूसरा था ईरान और तीसरा था इसराईल। बता दें कि शाह सलमान को कहीं न कहीं देश में हो रहे बड़े बदलावों के लिए भी जाना जाता है। महिलाओं को कई तरह के अधिकार दिए जाने के पीछे जितने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान हैं उतने ही शाह भी हैं। सलमान शाह बनने से पहले करीब 48 वर्षों तक रियाद के गवर्नर रहे। इसके अलावा वो देश के रक्षा मंत्री भी रह चुके हैं। वर्ष 2012 में उन्हें क्राउन प्रिंस घोषित किया गया था। शाह दो पवित्र मस्जिदों के कस्टोडियन भी हैं। महासभा को संबोधित करना अहम घटना संयुक्त राष्ट्र महासभा को पहली बार संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी सरकार की बुनियादी नीतियों और सऊदी अरब की अहमियत पर जोर दिया। इसमें उन्होंने फिलिस्तीनियों को दिए गए अपने वायदे को भी दोहराया और खुद को इस्लाम के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों का संरक्षक बताया। अपने इस भाषण में शाह ने कहा कि इस्लामिक वर्ल्ड में सऊदी अरब की एक विशेष और ऐतिहासिक जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने धर्म को उन आतंकी संगठनों से बचाकर रखें जो इसको बदनाम कर रहे हैं।

UNHRC में बलूचों और सिंधियों पर पाकिस्तान के अत्याचारों की खुली पोल

पेशावर:

कई दशकों से बलूच व सिंधी लोग पाकिस्तान के अत्याचारों से तंग आकर उससे अलग होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पाकिस्तान ने इसके लिए हमेशा ही अफगानिस्तान और भारत को इसके लिए दोषी ठहराया है। बलूचिस्तान में बढ़ रही गुमशुदगी की घटनाओं का खुलासा करते हुए बलोच वॉयस एसो. के प्रधान मुनीर मैगल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNHRC) में बताया कि इस क्षेत्र में लोग पाक के अत्याचारों और दमन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। मैगल ने कहा कि UNHRC की बैठक के सैशन दौरान कहा कि बलोचिस्तान के लोग दुख और कष्ट झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाक सरकार के जुल्मों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। गौरतलब है कि यहां 1970 के दशक में पाकिस्तान से अलग होने के संघर्ष में पांच वर्षों की अवधि में कम से कम 8000 बलोचों की हत्या की गई। रहस्यमय सामूहिक कब्रों में मिले कंकाल उन बलोच नेताओं और मानव अधिकार कार्यकर्ताओं के हैं जो कि पिछले एक दशक में गायब हो गए हैं। ऐसे लोगों की संख्या 10 हजार से भी अधिक बताई जाती है। कहा जाता है कि पाकिस्तान की खुफिया सेवा SI ने क्वेटा और इसके आसपास के इलाके का आतंकवादी हब के तौर पर इस्तेमाल किया। इस सैशन के दौरान विश्व सिंधी कांग्रेस के महा सचिव लाखू लुहाना ने पाकिस्तान में सिंधी समुदाय के लोगों की गुमशुदगी का मामला भी उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले 3 महीने में 60 से ज्यादा लोग गायब हो चुके हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र परिषद से गुहार लगाई कि इस मामले में सिंध के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और पाक सरकार की जवाबदेही तय की जाए।

ट्रंप का दावा-डेमोक्रेटिक पार्टी कहने पर रूस ने दिया था 2016 के चुनाव में दखल

वाशिंगटन:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया है कि नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि रूस ने 2016 में राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन की तरफ से चुनाव में दखल दिया था। साल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान रूस का कथित दखल राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के कार्यकाल के शुरूआती तीन साल के दौरान विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिये सबसे बड़े मुद्दों में शामिल था। इसी मुद्दे पर ट्रंप के खिलाफ महाभियोग भी चलाया गया था, जो नाकाम हो गया था। डेमोक्रेटिक पार्टी ने आरोप लगाया था कि रूस ने राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के दखलअंदाजी की थी। ट्रंप ने वर्जीनिया के न्यूपोर्ट में रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने चार साल तक ये आरोप झेले। मैं साफ कर दूं कि मैंने कभी ऐसा नहीं किया। ऐसा सोचा तक नहीं। चार साल तक मुझपर जो आरोप लगाए गए वे उलट साबित हुए। रूस ने उनके लिये चुनाव में दखल दिया था। ट्रंप ने दावा किया, 'नए दस्तावेजों में साबित हो चुका है कि रूस ने 2016 के चुनाव में हस्तक्षेप किया था। दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि ऐसा हिलेरी क्लिंटन के कहने पर किया गया, न कि ट्रंप के कहने पर।' राष्ट्रपति ने दावा किया, 'हाल ही में जारी किये गए लिखित संदेशों से सब कुछ बिल्कुल साफ हो गया है। एफबीआई जानती थी कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने मुझे, आपके प्रिय राष्ट्रपति को निशाना बनाने के लिये रूस से गलत जानकारी मांगी।'

संक्षिप्त समाचार

चीन में चिंताओं के बावजूद कोविड-19 के टीके के आपात इस्तेमाल पर जोर

बीजिंग, चीन के जानेमाने लेखक एवं स्तंभकार कान चाई को देश में आपातकालीन उपयोग के लिए स्वीकृत कोविड-19 के टीके की पहली खुराक पर तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन दूसरी डोज के बाद उन्हें चक्कर आने लगे। चाई ने इस महीने की शुरुआत में एक वेबिनार में कहा, ''जब मैं गाड़ी चला रहा था तो अचानक मुझे चक्कर आने लगे। ऐसा लगा कि मैं नशे में गाड़ी चला रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने एक जगह देख कर कार रोकी, थोड़ा आराम किया और तब मुझे बेहतर लगा।'' चीन में चाई की तरह ही हजारों लोगों को आम इस्तेमाल के लिए अंतिम नियामक स्वीकृति मिलने से पहले चीनी टीके दिये गये हैं। इस कदम को लेकर आचार संहिता और सुरक्षा संबंधी सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले चीनी कंपनियां मानव परीक्षण से पहले अपने शीर्ष पदाधिकारियों और प्रमुख अनुसंधानकर्ताओं को जांच के लिए टीका देने पर सुर्खियों में आई थीं। चीन के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि चीन को महामारी को वापस आने से रोकने के लिए कदम उठाने होंगे। एक बाहरी विशेषज्ञ ने ऐसे समय में टीके के आपात उपयोग की जरूरत पर सवाल खड़ा किया है जब देश में वायरस का संक्रमण अब नहीं फैल रहा है।

चीन की हुआवे रिसर्च लैबोरेटरी में लगी भीषण आग, 3 की मौत

बीजिंग: दक्षिण चीन के डोंगुआन शहर में हुआवे टेक्नोलॉजी की रिसर्च लैबोरेटरी में शुक्रवार को लगी भीषण आग से खलबली मच गई गई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। सिना डॉट कॉम पर पोस्ट एक वीडियो में लैब के भवन से धुआं उठता दिखाई दे रहा है और एक व्यक्ति बता रहा है कि आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन की कई गाड़ियों को तैनात किया गया है।सोंगशान झील के अलिशान रोड पर स्थित भवन में दोपहर बाद 3:16 बजे आग लगी। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हुआवे ने भी घटना पर कोई बयान नहीं दिया है।

चीन से वायरस आने की बात को कभी नहीं भूलूंगा: ट्रम्प

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा सत्ता में आने की स्थिति में चीन पर देश की निर्भरता को हमेशा के लिए समाप्त करने का संकल्प लिया और कहा कि वह चीन से कोरोना वायरस संक्रमण फैलने की बात को कभी नहीं भूलेंगे। ट्रम्प ने तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर न्यूपोर्ट वर्जीनिया में शुक्रवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत थी, तभी चीन से वायरस आ गया। उन्होंने कहा, उन्हें ऐसा कभी नहीं होने देना चाहिए था। हम यह भूलेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि हमने (आर्थिक गतिविधियों को) बंद कर दिया और लाखों लोगों का जीवन बचाया। हमने अब इसे खोल दिया है। अमेरिका इस संक्रमण से सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वायरस के कारण दो लाख से अधिक अमेरिकियों की जान चली गई है और देश की अर्थव्यवस्था डगमगा गई है, जिसके कारण लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। ट्रम्प ने कहा कि यदि वह आगामी चार वर्ष के लिए फिर सत्ता में आते हैं, तो वह अमेरिका को दुनिया में विनिर्माण की महाशक्ति बनाएंगे। उन्होंने कहा, हम चीन पर अपनी निर्भरता हमेशा के लिए समाप्त कर देंगे। ट्रम्प ने कहा कि कोरोना वायरस के बाद चीन के साथ संबंध उनके लिए खास मायने नहीं रखते। उन्होंने चीन के प्रति गहरी निराशा जताई। उन्होंने कहा, मेरे चीन के राष्ट्रपति शी (चिनफिंग) के साथ बहुत अच्छे संबंध थे, लेकिन यह महामारी आ गई... हमने अच्छा व्यापार समझौता किया था, लेकिन मेरे लिए अब यह पहले की तरह नहीं है। क्या इसका अब कोई अर्थ है? अमेरिका और चीन ने वर्ष की शुरुआत में एक व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रम्प ने चीन के साथ इस समझौते पर फिर से बातचीत करने से इनकार कर दिया है।

सेटेलाइट तस्वीरों से खुलासा -चीन के शिनजियांग में 380 से अधिक संदिग्ध हिरासत केन्द्र

कैनबरा: ऑस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक का मानना है कि चीन के शिनजियांग प्रांत में गोपनीय हिरासत केन्द्रों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई सामरिक नीति संस्थान (ASPI) ने उपग्रह तस्वीरों और दस्तावेजों के माध्यम से पता लगाया कि शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में 380 से अधिक संदिग्ध हिरासत केन्द्र हैं। इनमें पुनर्शिक्षण शिविर, हिरासत केन्द्र और जेल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक के अनुसार इनका निर्माण हाल ही में किया गया है या 2017 के बाद से इनमें विस्तार हुआ है। चीन ने अस्थायी सार्वजनिक इमारतों में उइगुर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नजरबंद करने की नीति में बदलाव किया है और उन्हें स्थायी सामूहिक हिरासत केन्द्रों में रखा जा रहा है। संस्थान के शोधकर्ता नाथन रुसर ने दावा किया है कि शिनजियांग के 'पुनर्शिक्षण' नेटवर्क में बंद कई न्यायेतर बंदियों को अब औपचारिक रूप से आरोपित किया जा रहा है और उन्हें उच्च सुरक्षा वाले केंद्रों में बंद किया गया है। इन्हें जबरदस्ती मजदूरी करने के लिए कारखाना परिसरों में रखा गया है। जुलाई 2020 तक कम से कम 61 हिरासत केंद्रों में नये निर्माण किए गए हैं या उनका विस्तार हुआ है।

सनकी किंग ने तेल में डुबो आग लगाकर मार डाला द.कोरिया का अधिकारी, अब मांगी माफी

प्योंगप्यांग:

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया के अधिकारी की हत्या किए जाने पर कहा कि इस अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर उन्हें बहुत अफसोस है। यह अधिकारी इसी सप्ताह लापता हो गया था दरअसल, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने गुरुवार को कहा था कि उत्तर कोरिया द्वारा दक्षिण कोरिया के अधिकारी की हत्या करना %चौंकाने वाली% और %अप्रिय% घटना थी. राष्ट्रपति की यह टिप्पणी उस दर्दनाक घटना को लेकर आई है, जिसमें उत्तर कोरियाई सैनिकों ने दक्षिण कोरिया के एक फिशरीज ऑफिसर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। कोरोना वायरस प्रकोप को रोकने के लिए अधिकारी के शरीर को उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने पहले तेल में डुबोया और फिर आग के हवाले कर दिया था।

सेना ने कहा कि उसने बुधवार को सीमा पार उत्तर कोरिया को एक संदेश भेजा है और मामले में स्पष्टीकरण की मांग की है, लेकिन इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। बता दें कि उत्तर कोरिया के अधिकारियों ने पहले ही कोरोना वायरस फैलने की आशंकाओं को देखते हुए उत्तर कोरिया के कैसॉन्ग शहर से लगती सीमा को बंद कर दिया था। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि तीन साल पहले उत्तर कोरिया का एक व्यक्ति पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया चला गया था और फिर भागकर देश वापस आ गया था। कथित तौर पर उत्तर कोरियाई अधिकारियों को देश में कोरोना वायरस के प्रवेश को रोकने के लिए शूट-टू-किल ऑर्डर जारी किए गए हैं। उत्तर कोरिया ने वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए जनवरी में ही चीन से लगी अपनी सीमा को बंद कर दिया था। यह भी माना जा रहा है कि पिछले सप्ताह हुई अधिकारी की हत्या के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे एन के तल्ख रवैये में भी नरमी आएगी। मून के सलाहकार सुह हून ने उत्तर कोरियाई नेता के संदेश का हवाला देते हुए कहा, %कॉमरेड किम जोंग उन ने राष्ट्रपति मून जे इन और दक्षिण कोरिया की जनता से इस अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर अफसोस प्रकट किया है।

पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में , FIA ने 49 पत्रकारों के खिलाफ किए केस दर्ज

पेशावर: पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू करते हुए संघीय जांच एजेंसी (FIA) ने 49 पत्रकारों और सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के खिलाफ देश के ड्रोनियन साइबर क्राइम कानून PECA के तहत मामले दर्ज किए। पत्रकार मुबाशीर जैदी ने कहा कि वह पाकिस्तान के फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट पाकिस्तान सरकार से पत्रकारों और सोशल मीडिया एक्टिविस्टों के खिलाफ मुकदमों को वापस लेने का आह्वान करते हैं, अन्यथा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन होंगे। सरकार के आलोचक जो साइबर कानून के तहत आरोपित किए गए थे। पाकिस्तान का विवादास्पद साइबर अपराध कानून पाकिस्तान की नेशनल असेंबली द्वारा पारित प्रिवेंशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक क्राइम एक्ट (PECA) 2016 विवादास्पद कानून है । नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार को समाप्त करने वाले इस कानून की कार्यकर्ताओं द्वारा लंबे समय से विरोध किया जा रहा है। हाल ही में पाकिस्तान की सेना की आलोचना करने वाले नागरिकों पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया था ।

भारत की पाकिस्तान को चेतावनी, पूरी तरह खाली करे PoK

न्यूयॉर्क:

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) को एकमात्र शेष विवाद करार देते हुए तल्ख भरे स्वर में पड़ोसी देश से कहा कि वह पीओके को पूरी तरह से खाली करें तथा एक सामान्य देश बनने के लिए आतंकवाद को नैतिक, वित्तीय और अन्य तरह से समर्थन देना बंद करे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में अपने संबोधन के दौरान पाकिस्तान को यह हिदायत दी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के फर्स्ट सेक्रेटरी मिजितो विनितो ने भारत के बयान को उद्धृत करते हुए कहा कि पाकिस्तान को केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर के उन सभी क्षेत्रों को खाली कर देना चाहिए , जहां उसने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। विनितो ने कहा, '' कश्मीर में अब एकमात्र शेष विवाद वहां के उस हिस्से से जुड़ा है , जो अभी पाकिस्तान के कब्जे में है। हम पाकिस्तान से उन सभी क्षेत्रों को खाली करने की अपेक्षा करते हैं, जो अवैध रूप से उसके कब्जे में हैं।' बयान में इस तथ्य की पुष्टि की गई कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर भारत का एक अभिन्न और अलग न किये जा सकने वाला हिस्सा है और वहां लागू कानून भारत का आंतरिक मामला है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को अपने संबोधन के दौरान कश्मीर को लेकर भारत विरोधी बयान दिया जिसका भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को पांच अगस्त 2019 को कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने वाले फैसले को रद्द करना होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के संबोधन के तुरंत बाद ट्वीट किया और इसे एक नया राजनयिक तिकड़म बताते हुए उनके भाषण को शातिराना झूठ, व्यक्तिगत आक्षेप और युद्ध के लिए भड़काने वाला करार दिया। विनितो ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने लगातार ऐसे डींगें हांकने वालों के बारे में सुना है जिसके पास खुद दिखाने के लिए कुछ नहीं है और उसके पास बोलने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है और ना ही दुनिया के लिए कोई अच्छा सुझाव है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने इस महासभा के मंच पर झूठ, व्यक्तिगत आक्षेप और युद्ध के लिए भड़काऊ विचारों को व्यक्त किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, '' आज जहर उगलने वाले ये वही नेता हैं , जिन्होंने 2019 में अमेरिका में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उनके देश में अभी भी लगभग 30-40 हजार आतंकवादी हैं जिन्हें पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित किया गया है और इन आतंकवादियों ने अफगानिस्तान और भारत के जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया है।%% विनितो ने कहा कि पाकिस्तान ने ईश निंदा कानूनों का दुरुपयोग करते हुए हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों सहित अन्य अल्पसंख्यकों का जबरन धार्मिक धर्मांतरण कराया।

बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के लिए एक सामान्य देश बनने का एकमात्र तरीका यही है कि वह आतंकवाद को नैतिक, वित्तीय एवं अन्य तरह से समर्थन देना बंद करे तथा अपने देश की जनता और अल्पसंख्यकों की अपनी समस्याओं के समाधान पर ध्यान दे। बयान में यह भी कहा गया कि पाकिस्तान अपने नापाक एजेंडे के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का इस्तेमाल करना बंद करे।

नवाज का पार्टी सदस्यों को बिना अनुमति पाकिस्तानी सेना से न मिलने का निर्देश

इस्लामाबाद: पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) प्रमुख नवाज शरीफ ने अपने पार्टी पदाधिकारियों को पार्टी नेतृत्व की पूर्व अनुमति के बिना पाकिस्तानी सेना और खुफिया विभाग से नहीं मिलने के सख्त निर्देश जारी किये हैं। शरीफ ने गुरुवार को कहा, मैं अपनी पार्टी को निर्देश जारी कर रहा हूं कि भविष्य में, पार्टी का कोई भी सदस्य व्यक्तिगत रूप से अथवा पार्टी स्तर पर सेना और उससे संबंधित एजेंसियों के किसी भी प्रतिनिधि के साथ बैठक नहीं करेगा। शरीफ ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार और सेना के साथ नजदीकी संबंधों के परिप्रेक्ष्य में ट्वीट किया , हाल की घटनाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सात परदों के पीछे छुपकर कैसे बैठकें की जाती है और कैसे इन मामलों को विशिष्ट रंग देकर कुछ और लोगों को प्रचारित किया जाता है। यह खेल अब समाप्त होना चाहिए। उन्होंने प्रधान मंत्री इमरान खान को एक निर्वाचित नहीं बल्कि पाकिस्तान सेना की ओर से चयनित उम्मीदवार करार दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवक को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया, हालत गंभीर

अलीगढ़ (एजेंसी)। थाना अक. राबाद में चाय की दुकान पर बैठे एक युवक को मामूली कहासुनी को लेकर दुस्साहस का परिचय

देते हुये दबंगों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोषिष की गई। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना प्रभारी अकराबाद उमेष षर्मा के अनुसार कस्बा अकराबाद स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के पास का रहने वाला पवन पुत्र राजकुमार ट्रक चालक है और

उसका साथी आकाश पुत्र बंटी भी ट्रक चालक है। दोनों में 6 माह पूर्व ट्रक चलाने को लेकर विवाद हो गया। इसी के चलते आकाश ने पवन को देख लेने की धमकी दी थी। पवन राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के बाहर चाय के खोखे पर बैठा था तभी वहां आकाश आ गया और वह बोतल में पेट्रोल लेकर आया उसने पवन के ऊपर पेट्रोल डालते हुए आग लगा दी। आग लगते ही पवन जोर जोर से बचाओ बचाओ चिल्लाने लगा, चीख पुकार की आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और बमुश्किल आग को बुझाते हुए पवन को जिला मलखान सिंह अस्पताल लेकर आए, जहां उसका उपचार जारी है।

एसपी ग्रामीण शुभम पटेल ने बताया कि दोनों दोस्त थे और आपस में किसी बात को लेकर विवाद हो गया तो कोई तेल डालकर आग लगाने का मामला सामने आया है तहरीर आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

यूपी की कानून-व्यवस्था भगवानः अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि यूपी में कानून–व्यवस्था को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया

है। पुलिस व अपराधियों के हौसले बढ़े हैं। साढ़े तीन साल भाजपा सरकार ने बिना कुछ किए सिर्फ जुमलेबाजी में निकाल दिए हैं। बड़े–बड़े सपने दिखाकर लोगों को खूब बहकाया किन्तु अब सब भाजपा की सच्चाई, कथनी करनी के बीच उसके अंतर को समझ गए हैं। कहते हैं काठ की हांडी बार–बार नहीं चढ़ती है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव शनिवार को यहां एक बयान जारी कर कहा कि अच्छा होगा मुख्यमंत्री लोकभवन की गद्दी छोड़कर अपनी पुरानी गद्दी जाकर संभालें। इसी में विकास से दूर हो रहे प्रदेश और अपराधों की दहशत में जी रही जनता की भलाई है। उन्होंने कहा कि यूपी की खराब कानून–व्यवस्था से देश–विदेश में बदनामी होगी। उत्तर प्रदेश में एटा के एक कारोबारी की अपहरण के बाद हत्या, फिर फिरौती वसूलने के बहाने उसकी पत्नी को बुलाकर अपहरण और गैंगरेप। उसे 88 दिनों तक बंधक रखा गया। उसकी एफआईआर पुलिस ने तीन साल तक नहीं लिखी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था सत्ता संरक्षित अपराधियों द्वारा रौंदी जा रही है। अलीगढ़ में एक महिला ने एफआईआर लिखाई तो भाजपा नेता ही उसके विरोध में थाने पर प्रदर्शन करने लगे। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश महिलाओं के लिए सर्वाधिक असुरक्षित हैं।

भाजपा के रामराज में पुलिस और जिलाधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप उनके अधीनस्थ खुले आम लगाने लगे हैं। प्रदेश में पुलिस–माफिया और नेता का एक संगठित गिरोह बन गया है। सचिवालय में बैठकर ठगी का धंधा चल रहा है।

सार–समाचार

लखनऊ में तैनात दो एसएसबी जवानों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

बस्ती (एजेंसी)। गोरखपुर–लखनऊ फोरलेन पर नगर थाना क्षेत्र के फुटहिया फ्लाईओवर के पास शुक्रवार की देर रात करीब साढ़े बारह बजे एसएसबी के दो जवानों की मार्ग दुघर्टना में मौत हो गई। बाइक सवार जवान किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए थे। एएसपी वीके सिंह ने बताया कि दोनों जवान लखनऊ में तैनात थे। एसएसबी के अधिकारियों को भी हादसे की जानकारी दे दी गई है। परिजन भी आ गए हैं।

लखनऊ में कार्यरत जवान गोरखपुर जनपद के खोराबार थाना अंतर्गत रामगढ़ ऊर्फ रजही गांव निवासी ओंकार साहनी (30) पुत्र रामप्रकाश और कुशीनगर जनपद के अहिरौली पिपराइच थाना अंतर्गत ग्राम मगडीहा निवासी राकेश कुमार पटेल (32) पुत्र राम हिंद पटेल लखनऊ से बाइक पर सवार होकर गोरखपुर जा रहे थे। शुक्रवार की देर रात जैसे ही नगर थाना क्षेत्र के फुटहिया फ्लाईओवर के पास पहुंचे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे फुटहिया चैकी पुलिस ने दोनों जवानों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ में मुख्य चौराहों पर लगे टप्पेबाजों के होर्डिंग

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में जनता की आंख में धूल झोंकने वाले टप्पेबाजों के खिलाफ पुलिस ने नया तरीका अपनाया है। दरअसल, पुलिस ने मुख्य चौराहों और चौकियों पर टप्पेबाजों की फोटो जारी कर होर्डिंग लगवा दी है, ताकि जनता इनसे जागरूक हो सके। इसके साथ ही टप्पेबाजी की घटनाओं पर लगाम लग सके और जल्द ही पुलिस इन्हे गिरफ्तार कर सके। इस अनोखी पहल की शुरूआत लखनऊ की कमिश्नरेट पुलिस ने टप्पेबाजों के खिलाफ की है। शहर में आए दिन हो रही टप्पेबाजी की वारदातों से परेशान पुलिस द्वारा हर चौराहों और चौकी पर टप्पेबाजों की फोटो जारी कर होर्डिंग लगाई गई है। पुलिस का होर्डिंग लगाने का मेन मकशद कि जनता टप्पेबाजों को आसानी से पहचान सके और उनके साथ हो ही टप्पेबाजी की घटनाओं पर लगाम लग सके।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार के इनामी समेत 2 बदमाश हुए गिरफ्तार

सीतापुर (एजेंसी)। सीतापुर जिले के अटरिया क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार रूपये का इनामी बदमाश घायल हो गया। पुलिस घायल और उसके एक अन्य साथी के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अटरिया, सिध गौली एवं क्राइम ब्रान्च उन्नाव तथा रायबरेली की संयुक्त पुलिस द्वारा सूचना के आधार पर मुजफ्फरपुर एवं गनेशपुर के बीच कार सवार बदमाशों की घेराबंदी की गई, तो उन्होंने पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में मिथुन नाम बदमाश घायल हो गया, जिसे उसके साथी साजिद के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। घायल बदमाश को अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से लूट में प्रयुक्त ट्रक, कार, लाक कटर ,नम्बर प्लेट व नम्बर स्टीकर, 02 तमंचे मय कारतूस बरामद हुए। प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार मिथुन देवास जिले के चिडावत गांव का रहने वाले हैं। मिथुन लखनऊ जिले के थाना इटौजा पर दर्ज मामले में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रूपये का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि साजिद उज्जैन जिले के झोकर गांव का रहने वाला है। उसे जेल भेज दिया गया है।

अवैध रूप से चल रहे हुक्का बार पर पुलिस ने मारा छापा

आगरा (एजेंसी)। आगरा के ताजगंज इलाके में चल रहे हुक्का बार पर पुलिस ने छापा मारा है। इस दौरान पुलिस मौके से आठ लड़के और लड़कियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी लड़के, लड़कियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस टीम जैसे ही पहुंची संचालाक राघव राठौर भागने में सफल रहा। पकड़े गए लोगों से जानकारी इकट्ठा की जा रही है। दरअसल, पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि ताजगंज थाना क्षेत्र में अवैध रूप से हुक्के बार को संचालित किया जा रहा है। पुलिस टीम खुद ग्राहक बनकर हुक्का बार पर पहुंची और हुक्का बार की सच्चाई देखकर दंग रह गई। सीओ सदर महेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ धारा 269, 270 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और मौके से मिला सामान बरामद करने के बाद जांच के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से हुक्का जब्त किया है। मगर, हुक्का बार संचालक बरौली अहीर निवासी राघव राठौर मौके से फरार हो गया, जबकि 8 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

गोड्डा में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की हुई मौत

गोड्डा (एजेंसी)। गोड्डा में तालाब में डूबने से तीन बच्ची की मौत हो गई हो। इस घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्ची को तालाब से बाहर निकाला लेकिन तबतक तीनों की मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि मेहरमा थाना क्षेत्र के कुमरडोय गांव की पांच बच्चे गांव के ही एक तालाब किनारे गए थे। इसमें से दो बच्चे तालाब के बाहर खड़े थे। वहीं, तीन बच्चियां तलाब में स्नान करने लगी। इसी क्रम में बच्चियां गहरे पानी में चली गई और डूब गई। बाहर खड़े दोनों बच्चों का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्ची को तालाब से बाहर निकाला गया लेकिन तबतक

तीनों की मौत हो चुकी थी। मृत बच्चियों की पहचान छोटी कुमारी, नंदनी कुमारी और आशा कुमारी के रूप में की गई है। घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है। सभी बच्चियों की उम्र 9 से 13 साल के बीच है। बताया जा रहा है कि तालाब के गहरे पानी में जाने से यह हादसा हुआ, बारिश के कारण तालाब में पानी अधिक था, इसी कारण बच्चियों को गहराई का सही अंदाजा नहीं मिल पाया और यह हादसा हो गया। घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है।

अब श्री कृष्ण जन्मभूमि का मामला पहुंचा कोर्ट, शाही ईदगाह मस्जिद हटाने की मांग

मथुरा (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम लला विराजमान के बाद अब श्रीकृष्ण विराजमान ने भी मथुरा की अदालत में एक सिविल मुकदमा दायर किया है।

इसमें 13.37 एकड़ की कृष्ण जन्मभूमि का स्वामित्व मांगा है और शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की मांग की गई है।

ये विवाद भगवान श्रीकृष्ण विराजमान, कटरा केशव देव खेवट, मौजा मथुरा बाजार शहर के रूप में जो अगले दोस्त रंजना अग्निहोत्री और छह अन्य भक्तों ने

दाखिल किया है।

हालांकि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 इस मामले के आड़े आ रहा है जिसमें विवादित राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद

मुकदमेबाजी को लेकर माल. किना हक पर मुकदमे में छूट दी गई थी, लेकिन मथुरा काशी समेत सभी विवादों पर मुकदमेबाजी से रोक दिया था।

इस एक्ट में कहा गया है कि 15 अगस्त, 1947 को जो धार्मिक स्थल जिस संप्रदाय का था वो आज, और भविष्य में, भी उसी का रहेगा।

विदित हो कि अभी कुछ दिन पहले प्रयागराज में अखाड़ा परिषद की बैठक में साधु–संत मथुरा कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर को लेकर चर्चा की थी।

इसमें संतों ने काशी–मथुरा के लिए लामबंदी शुरू करने की कोशिश की।

पटाखों में विस्फोट से एक मरा, छह घायल

मथुरा (एजेंसी)। जिले के सुरीर क्षेत्र में बीती रात पटाखों के विस्फोट से एक दो मंजिला मकान ध्वस्त हो गया जिसके मलबे में दब कर एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक देहात श्रीशचन्द्र ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की आधी रात बाद ग्राम सुरीरकलां में जोगेन्द्र के घर पर विस्फोट हुआ जिससे उनकी दोमंजिली इमारत भरभराकर गिर गई तथा बगल के मकानों में भी दरार आई है। मकान के गिरने एवं चीख पुकार सुनकर पुलिस को सूचना दी गई और क्षेत्रीय जनता ने बचाव कार्य शुरू किया।

इस दौरान मलबे में दबे सात लोगों को निकाला गया लेकिन तब तक गृहस्वामी जोगेन्द्र (25) की मृत्यु हो चुकी थी।

उन्होने बताया कि घायलों इन्द्रवती (55), जोगेन्द्र की पत्नी शिवानी (22), बाबी (40), सबिता (18), महेन्द्र (48) तथा दीपाशू (13) को प्राथमिक इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया जहां

सबिता, महेन्द्र तथा दीपाशू को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है है जबकि शिवानी एवं बॉबी उर्फ सुनील का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

घायल इन्द्रवती की हालत खराब होने के कारण उसे आगरा मेडिकल कालेज बेहतर इलाज के लिए भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार जोगेन्द्र के घर में अवैध रूप से पटाखों का भन्डारण रखा था तथा इन पटाखों में ही अचानक विस्फोट हुआ है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा गौरव ग्रोवर द्वारा घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

चीफ फायर आफिसर मथुरा घटना की जांचकर शीघ्र ही रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में 4/6 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत इन्द्रवती आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

किसानों का शोषण करने वाले आज कृषि संशोधन विधेयक का कर रहे है विरोध-योगी

जौनपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जो लोग कल किसानों का शोषण कर रहे थें वही आज कृषि संशोधन विधेयक 2020 का विरोध कर रहे है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहली बार किसानों के हित में कानून बनाया है। इस विधेयक के पास हो जाने के बाद किसानों की आमदनी दुगनी होने का रास्ता साफ हो गया है। यह विधेयक किसानों के हितों के लिये बनाया है।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को यहां मल्हनी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ ही सभी फसलों के उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। अब किसान अपनी पैदावार को ओने पौने दाम पर बेचने के लिए विवश नहीं होगा । उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर विकासखंड में एक कोल्ड स्टोरेज बनाया जाएगा जिसमें किसान अपनी उपज को रख सकता है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी ने कोविड–19 की गॉइडला. इन का पालन करते हुए मजबूती के साथ कोरोना से लड़ाई लड़ी और लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह महीने पूरे हो गए हैं, प्रदेश में 12 बार हर गरीब परिवार को मुफ्त खाद्यान्न वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने–अपने बूथों पर लग जाएं जब बूथ जीतेगा तो हम चुनाव जीतेगें। उन्होंने कहा कि जब हम उप चुनाव जीतेंगे, तो क्षेत्र की जनता के विकास, नौकरी और सभी तरह की परेशानियों को सरकार देखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बिना भेदभाव के हर वर्ग के लोगों का विकास कर रही है और हर व्यक्ति के घर योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे अपने बूथों की जिम्मेदारी लें और क्षेत्र में घर–घर जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें।

मासूम की पोस्टमार्टम रिपोर्ट जांचने को 28 को बैठेगा पैनल

अलीगढ़ (एजेंसी)। महानगर के बन्नादेवी क्षेत्र में नौ वर्षीय मासूम की मौत की गुत्थी सुलझ नहीं पा रही है। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अध्ययन डॉक्टरों के पैनल से कराने का अनुरोध किया गया है, जिस पर सीएमओ ने 28 सितंबर को पैनल बैठाना तय किया है।

नलकूप कॉलोनी में सुभाष चंद्र की नौ वर्षीय बेटी जावी की शनिवार शाम मौत हो जाने पर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया था।

उस समय परिवार ने आत्महत्या किया जाना बताया था, मगर रविवार को तीन डॉक्टरों डॉ. विनीत सक्सेना, डॉ. अभिषेक गुप्ता व डॉ. गीतांजलि राठौर के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया तो मौत का कारण हत्या बताया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने नए सिरे से मामले की जांच की है। मगर, तस्वीर साफ नहीं हो पा रही। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखा गया है।

जिसमें कहा गया कि डॉक्टरों का पैनल गठित कर पीएम रिपोर्ट पर पुनः अध्ययन कराने को कहा गया है। इस पर सीएमओ ने 28 तारीख नियत की है। इंस्पेक्टर बन्नादेवी धीरेंद्र मोहन के अनुसार 28 को पैनल बैठना तय हुआ है। उसके बाद ही तस्वीर साफ होगी।

भू माफिया जबरन भूमि पर कर रहा कब्जा प्रशासन मौन

रायबरेली मैं अल्पसंख्यक बिरादरी से तालुकात रखता हूं क्या इसीलिए मुझे न्याय नहीं मिल रहा है भाजपा नेता बता कर मेरी पुश्तैनी जमीन पर जबरन निर्माण करने वाले भूमाफिया पर प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है क्या मुझ पीड़ित को न्याय पाने का हक नहीं है यह बात शहर के अहिया रायपुर किशुनपुर राय निवासी गुलाम हुसैन पुत्र स्वर्गीय बउवा अल्पसंख्यक ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने शिकायती पत्र में कही है पीड़ित गुलाम हुसैन ने अपने शिकायती पत्र में कहा है कि मेरे स्वर्गीय पिता बउवा ने अपने जीवन काल में अपनी भूमि संख्या 649 रकबा 0.2530 का बैनामा श्याम सुंदर पुत्र उमा प्रसाद के नाम कर दिया था अब श्याम सुंदर के दबंग भूमाफिया बद्री विशाल दीक्षित रामविशाल दीक्षित तथा शिवविशाल दीक्षित मेरी पुस्तैनी जमीन संख्या 648 ब रकबा 0.0290 पर जबरन कब्जा करके निर्माण करा रहे हैं आपत्ति करने पर गाली गलौज मारपीट पर आमादा हो रहे हैं और धमकी देते कि मैं भाजपाई हूं मेरे खिलाफ कार्यवाही नहीं करा सकते हो पीड़ित गुलाम हुसैन ने ये भी कहा कि थाना चौकी सब मेरे साथ है पीड़ित ने कहा कि मैं गरीब परिवार का हूँ और विपक्षी असरदार और पैसे वाले हैं इसलिए सब उन्हीं का साथ दे रहा है मैं अपनी समस्या डीएम एसपी तथा उप जिलाधिकारी सदर से मिलकर बता चुका हूं एसडीएम ने क्षेत्रीयलेखपाल को जांच कर रिपोर्ट देने को कहा जो आज तक जांच करने नहीं पहुंचा पीड़ित ने अब मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगायी है ।

थाना और चाकी भू माफिया के साथ

डीएम एसपी से लगा चुका है फरियाद

सीएम पोर्टल पर की शिकायत मांगा न्याय

पीएसी जवानों को पदावनत करने वालों अधिकारियों पर योगी खफा

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएसी के कुछ जवानों को पदावनत किए जाने के प्रकरण को गम्भीरता से लिया है। उन्होंने कहा है कि शासन के संज्ञान में लाए बगैर ऐसी कार्यवाही से पुलिस बल के मनोबल पर प्रभाव पड़ता है। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को निर्देशित किया कि वे समस्त कार्मिकों की नियमानुसार पदोन्नति सुनिश्चित कराएं। साथ ही, शासन के संज्ञान में प्रकरण को लाए बगैर ऐसा निर्णय जिन अधिकारियों द्वारा लिया गया है, उनका उत्तरदायित्व निर्धारित कर शासन को आख्या भी उपलब्ध कराएं।

विदित हो कि पीएसी से पुलिस में आए जवानों को प्रमोशन मांगने

पर उन्हें मूल काडर पीएसी में भेजने का मामला सामने आया था। ऐसे 896 पुलिसकर्मियों को डिमोट करते हुए वापस किया गया जबकि 22 आरक्षियों को कॉन्स्टेबल के ही पद पर वापस भेजा गया। इस बारे में विभाग का तर्क था कि आम्र्स पु. लिस से सिविल पुलिस में पीएसी के 890 हेड कॉन्स्टेबल और छह एसआई का प्रमोशन नियम विरुद्ध किया गया था। इस संबंध में पीएसी के 1998 बैच के कॉन्स्टेबल जितेंद्र कुमार ने इला. हाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात (नागरिक सेवा का अधिकार) अधिनियम, 2013

का उपयोग क्या जनता कर रही हैं या अधिकारी सिर्फ अपना मनमानी कर रहे हैं ?

गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेन्द्र मोदी भले ही आज भारत के प्रधानमंत्री बने हैं लेकिन गुजरात की जनता के लिये एक यह कानून 2013 में बना दिया था जिसमें नागरिक सेवा का अधिकार अधिनियम –2013 से प्ररित किया गया था.

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की लोकायुक्त नियुक्त करने की अपील को भले नजरअंदाज कर रहे हों लेकिन सिटीजन चार्टर नागरिक सेवा अधिकार लागू कर प्रशासन को और चुस्त– दुरुस्त बनाना चाहते हैं।

गुजरात में नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री के समय वित्तमंत्री नितिन पटेल ने ख्सार्वजनिक सेवा अधिकार कानून, 2013 विधानसभा में पेश किया। पटेल ने विधानसभा में बताया कि गुजरात ने विकास व गुड गवर्नेस के क्षेत्र में बेहतर काम किया है इसके साथ ही प्रशासन में जवाबदेही व पारदर्शिता लाने के इरादे से सरकार ने नागरिक सेवा अधिकार कानून लागू किया है। सरकार राज्य के सभी प्रशासनिक कार्यालयों में शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करेगी।

सरकारी दफ्तर में तय समयसीमा में काम नहीं होने पर शिकायतकर्ता इन अधिकारियों को अथवा जिला व राज्य में सक्षम अधिकारी के समक्ष अपील कर सकेगा। काम में देरी पर शिकायत निवारण अधिकारी को एक हजार से दस हजार तक के जुर्माने का भी इसमें प्रावधान है जो रकम शिकायतकर्ता को मिलेगी।?

अधिक जानकरी के लिये बेवसाईट पर देखें

http://rti.krantisamay.com/?p=142

'जो कहो, वह करो' के मंत्र के साथ घोषित योजनाओं को लागू कर रही है सरकारः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात की इस सरकार ने 'जो कहो, वह करो' के ध्येय मंत्र के साथ फरवरी–मार्च महीने में राज्य के बजट में घोषित योजनाओं का तेजी से कार्यान्वयन कर विरोधियों का मुंह बंद कर दिया है। मुख्यमंत्री ने 'सात पगला खेडूत कल्याण ना' यानी सात कदम किसान कल्याण के योजना के अंतर्गत और तीन कदमों जिसमें सब्जी और फलबेचने वाले छोटे विक्रेताओं को माल खराब होने से बचाने के लिए निःशुल्क छत्री वितरण, छोटे व सीमांत किसानों को स्मार्ट हैंड टूल किट वितरण तथा किसानों को खेत के चारों ओर कंटीली बाड़ लगाने की योजनाओं का शनिवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने प्रतीक स्वरूप पांच लाभार्थियों को मंजूरी पत्र भी सौंपे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और पदाधिकारी राज्य के विभिन्न जिलों के तहसील मुख्यालयों पर जुड़े थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार किसान, गरीब, वंचित, पीड़ित और गांवों के कल्याण को समर्पित सरकार है। इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में 'सात पगला खेडूत कल्याण ना' योजना का ऐलान किया था और कोरोना संक्रमण काल में भी उसे लागू कर किसानों और जनता–जनार्दन के विकास कार्य को रुकने नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि जब राज्य सरकार ने इस योजना की घोषणा की थी, तब इसे केवल हवा–हवाई बातें कहने वाले और किसानों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले तत्वों को केवल एक ही महीने में कृषि विभाग ने इस किसान कल्याण के सातों कदमों का लाभ किसानों को प्रदान कर करारा जवाब दे दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की उपज में बढ़ोतरी हो, उसे समुचित बाजार मूल्य मिले यही नहीं, सिंचाई और बिजली की व्यापक सुविधा से किसान सच्चे अर्थ में जगत का तात बने और खेतीबाड़ी के जरिए समृद्धि की दिशा में वह अग्रसर हो, उसका सर्वग्राही आयोजन इस सरकार ने किया है।

उन्होंने कहा कि अतीत में कांग्रेस के शासनकाल में किसान लाचार, बेचारा और कर्जदार था। बिजली के लिए परेशान रहता था और बिजली की बेहिसाब कटौती होती थी, खेतों में ट्रांसफार्मर और मोटर जल जाती थी।बरसों तक किसानों को ऐसी दुर्दशा में रखने वाले अब किसानों की कर्जमाफी की बातें कर किसानों के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

श्री रूपाणी ने साफ शब्दों में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र और इन राज्य सरकारों ने किसानों को इस तरह सक्षम बनाया है कि उसे कर्ज ही न लेना पड़े।

उन्होंने कहा कि ज्योतिग्राम योजना के जरिए 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की है और सौराष्ट्र, कच्छ एवं उत्तर गुजरात में नर्मदा का पानी पहुंचाकर किसानों को बारहमासी खेती करने के लिए बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार ने सात–सात वर्षों तक नर्मदा बांध पर दरवाजे लगाने की अनुमति को रोके रखकर गुजरात के विकास को अवरुद्ध कर दिया था। नर्मदा का लाखों क्यूसेक पानी व्यर्थ ही समुद्र में बह जाता करता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में शासन संभालते ही 17वें दिन में ही उन दरवाजों को लगाने की अनुमति प्रदान कर गुजरात की कृषि क्रांति सहित सर्वांगीण विकास के द्वार खोल दिए हैं।

उन्होंने कहा कि भूतकाल में कांग्रेस की सरकारें समर्थन मूल्य पर एक दाना भी नहीं खरीदती थी। हमने चार वर्ष में 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का अनाज समर्थन मूल्य पर खरीद कर किसानों की मेहनत का उचित मूल्य प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्थाएं कर ली गई हैं और किसान के खाद्यान्न के आखिरी दाने तक सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चक्रवात, मावठ, सूखा या किसी भी आपदा की स्थिति में सरकार किसानों की चिंता कर उनके साथ खड़े रहने को प्रतिबद्ध है। किसान निश्चिंत होकर खेती करें और मूल्यवर्धक खेती के जरिए समृद्धि के शिखर तक पहुंचें।

श्री रूपाणी ने कहा कि राज्य के किसान को उसके उत्पादों के भंडारण के लिए गोदाम बनाने और अपनी उपज को बाजार तक पहुंचाने के लिए क्रमशः 30 हजार रुपए की गोदाम सहायता और 75 हजार रुपए की वाहन सहायता दी है।

सात कदम के अन्य दो कदमों में हमने गाय आधारित खेती के लिए प्रति गाय प्रति माह 900 रुपए की सहायता और जीवमृत से प्राकृतिक खेती के लिए सहायता दी है। अब इन तीन और कदमों के तहत सब्जी और फल बेचने वाले छोटे विक्रेताओं को निःशुल्क छत्री प्रदान करेंगे ताकि उनकी सब्जी और फल खराब न हो और धूप एवं बारिश की अड़चन न रहे। उन्होंने कहा कि छोटे सीमांत किसानों को भी कम मेहनत पर ज्यादा उपज मिले उसके लिए स्मार्ट हैंड टूल किट में अद्यतन उपकरण प्रदान करेंगे।

इसी तरह, खेतों में खड़ी फसल को सूअर और नीलगाय के आतंक से बचाने के लिए कंटीली बाड़ का भी लाभ प्रदान करेंगे। राज्य में ऐसे लगभग 70,000 फुटकर विक्रेताओं को कुल 10 करोड़ रुपए की लागत से छत्री प्रदान करने की योजना है साथ ही करीब 20 हजार सीमांत किसानों और खेत मजदूरों को 22 करोड़ रुपए के प्रावधान से स्मार्ट हैंड टूल किट का लाभ प्रदान किया जाएगा। कंटीली तार की बाड़ लगाने की योजना में भी राज्य सरकार ने सब्सिडी को 150 रुपए से बढ़ाकर 200 रुपए कर दिया है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में घोषित 3,700 करोड़ रुपए के किसान नुकसान सहायता पैकेज और एपीएमसी एक्ट में किए गए सुधार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस एक्ट में सुधार के जरिए सरकार ने अब किसान को अपने उत्पाद की बिक्री की सच्ची आजादी दी है। उन्होंने 'हर हाथ को काम, हर खेत को पानी' का मंत्र साकार कर खेती समृद्धि से ग्राम समृद्धि और ग्राम से शहर व शहर से समग्र राज्य की समृद्धि का इरादा जताया।

कृषि राज्य मंत्री श्री जयद्रथ सिंह परमार ने कहा कि इस पूरी योजना के मूल में किसान और खेती के प्रति मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी की संवेदनशीलता निहित है।

'सात पगला खेडूत कल्याण ना' योजना के और तीन किसान हितकारी कदमों का शुभारंभ

गुजरात में मृतांक 3400 के पार, 1417 नए केस, 1419 ठीक हुए

अहमदाबाद सितंबर के प्रारंभ से गुजरात में कोरोना का कहर बढ़ा है और आज 13 लोगों की मौत के साथ कोरोना से मृतांक 3409 पर पहुंच गया हैं।

राज्य में आज 1417 नए केस सामने आए हैं, जबकि 1419 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया हैं।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 180, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 175, सूरत में 117, राजकोट कॉर्पोरेशन में 110, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 95, जामनगर कॉर्पोरेशन में 89, राजकोट में 58, मेहसाणा में 48, वडोदरा में 41, बनासकांठा में 37, पाटन में 35, अमरेली में 32, पंचमहल में 25, मोरबी में 21, जामनगर में 21 और अहमदाबाद में 20 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएं।

जबकि 1419 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया हैं।

इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, गिर सोमनाथ में 1, पाटन में 1, सूरत में 1 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत राज्य में कुल 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गईद्य आज 61865 समेत राज्यभर में आज तक कुल 4172051 लोगों का टेस्ट किया गयां।

जिसमें 131808 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएं।

राज्य में 111909 लोगों के ठीक होने के साथ राज्य के रिकवरी रेट 84.90 पर पहुंच गयां।

फिलहाल राज्य में 16490 एक्टिव केस हैं, जिसमें 16408 की हालत स्थिर है और 82 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 3409 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी हैं।

राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 607071 लोगों को कोरन्टाइन किया गया हैं।

जिसमें 606679 होम कोरन्टा. इन और 392 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया हैं।

क्रांति समय
स्पेशल ऑफर
अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ
ADVERTISEMENT WITH US
सिर्फ 1000/- रु में
(1 महीने के लिए)
संपर्क करे

इस वर्ष राज्य स्तरीय नवरात्रि महोत्सव नहीं होगा : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मौजूदा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण इस वर्ष 17 से 25 अक्टूबर नवरात्रि के दौरान राज्य सरकार की ओर से प्रतिवर्षमनाये जाने वाले राज्यस्तरीय नवरात्रि महोत्सव का आयोजन नहीं करने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने विशाल जनहित में यह महत्वपूर्ण फैसला किया है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला राज्य स्तर का परंपरागत नवरात्रि महोत्सव इस वर्ष नहीं मनाया जाएगा। गौरतलब है कि कई आयोजक नवरात्रि में रास–गरबा आयोजन को मंजूरी देने की सरकार से मांग कर चुके हैंद्य हांलाकि 90 प्रतिशत से ज्यादा गरबा आयोजक कोरोना महामारी के चलते गरबा आयोजन के पक्ष में नहीं हैं। डॉक्टरों का भी मानना है कि कोरोना महामारी के बीच गरबा आयोजन से संक्रमण फैलने की संभावना हैं। कोरोना सबसे बड़ा खतरा है और उसकी रोकथाम के लिए सभी उपाय किए जाने चाहिएं। कई शहरों में पहले गरबा आयोजन रद्द किया जा चुका हैं। राजकोट में दो अर्वाचीन रास गरबा संचालकों ने इस वर्ष आयोजन रद्द करने का ऐलान कर दिया हैं। रा. जकोट के सहियर और सरगम ग्रुप ने नवरात्रि में गरबा का आयोजन नहीं करने का फैसला किया हैद्य गांधीनगर में कल्चरल फोरम ने भी इस वर्ष गरबा आयोजन नहीं करने का फैसला हैं। फोरम के अध्यक्ष कृष्णकांत झा ने कुछ पहले ही इसका ऐलान करते हुए कहा था कि कोरोना संक्रमण बरकरार है और आनेवाले समय में सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना अनिवार्य हैं। ऐसे में यदि गरबा का आयोजन किया जाता है तो संक्रमण फैलने का खतरा हैं।

गुजरात सरकार ने राज्यस्तरी नवरात्रि महोत्सव रद्द करने का ऐलान किया हैं।

सरकार के इस फैसले के बाद गुजरात में इस साल नवरात्रि में गरबा आयोजन को मंजूरी मिलना मुमकीन नहीं हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेरक व्यक्तिव

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

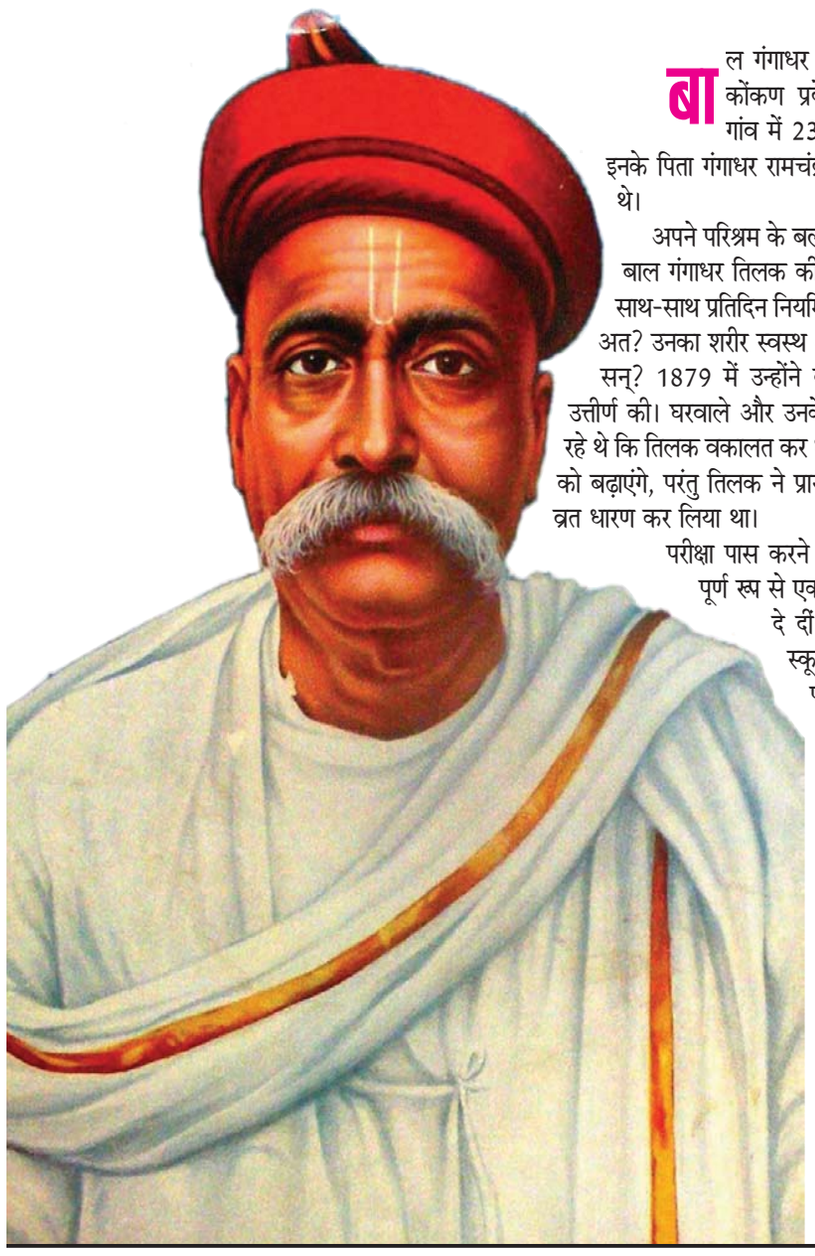

बाल गंगाधर तिलक का जन्म महाराष्ट्र के कोंकण प्रदेश (रत्नागिरि) के चिक्कन गांव में 23 जुलाई 1856 को हुआ था। इनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक एक धर्मनिष्ठ ब्राह्मण थे।

अपने परिश्रम के बल पर शाला के मेधावी छात्रों में बाल गंगाधर तिलक की गिनती होती थी। वे पढ़ने के साथ-साथ प्रतिदिन नियमित रूप से व्यायाम भी करते थे, अत? उनका शरीर स्वस्थ और पुष्ट था।

सन्? 1879 में उन्होंने बी.ए. तथा कानून की परीक्षा उत्तीर्ण की। घरवाले और उनके मित्र संबंधी यह आशा कर रहे थे कि तिलक वकालत कर धन कमाएंगे और वंश के गौरव को बढ़ाएंगे, परंतु तिलक ने प्रारंभ से ही जनता की सेवा का व्रत धारण कर लिया था।

परीक्षा पास करने के बाद उन्होंने अपनी सेवाएं पूर्ण रूप से एक शिक्षण संस्था के निर्माण को दे दीं। सन् 1880 में नए अंग्रेजी स्कूल और कुछ साल बाद फर्ग्युसन कॉलेज की स्थापना की।

वे हिन्दुस्तान के एक प्रमुख नेता, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी थे। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले लोकप्रिय नेता थे। इन्होंने सबसे पहले ब्रिटिश राज के दौरान पूर्ण स्वराज की मांग उठाई।

तिलक का यह कथन कि 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' बहुत प्रसिद्ध हुआ। लोग उन्हें आदर से 'लोकमान्य' नाम से पुकार कर सम्मानित करते थे। उन्हें हिन्दू राष्ट्रवाद का पिता भी कहा जाता है।

लोकमान्य तिलक ने जनजागृति का कार्यक्रम पूरा करने के लिए महाराष्ट्र में गणेश उत्सव तथा शिवाजी उत्सव सप्ताह भर मनाना प्रारंभ किया। इन त्योहारों के माध्यम से जनता में देशप्रेम और अंगरेजों के अन्यायों के विरुद्ध संघर्ष का साहस भरा गया।

तिलक के क्रांतिकारी कदमों से अंगरेज बौखला गए और उन पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाकर छः साल के लिए 'देश निकाला' का दंड दिया और बर्मा की मांडले जेल भेज दिया गया।

इस अवधि में तिलक ने गीता का अध्ययन किया और गीता रहस्य नामक भाष्य भी लिखा। तिलक के जेल से छूटने के बाद जब उनका गीता रहस्य प्रकाशित हुआ तो उसका प्रचार-प्रसार आंधी-तूफान की तरह बढ़ा और जनमानस उससे अत्यधिक आंदोलित हुआ।

तिलक ने मराठी में 'मराठा दर्पण व केसरी' नाम से दो दैनिक समाचार पत्र शुरूकिए जो जनता में काफी लोकप्रिय हुए। जिसमें तिलक ने अंग्रेजी शासन की क्रू रता और भारतीय संस्कृति के प्रति हीनभावना की बहुत आलोचना की।

उन्होंने ब्रिटिश सरकार को भारतीयों को तुरंत पूर्ण स्वराज देने की मांग की, जिसके फलस्वरूप और केसरी में छपने वाले उनके लेखों की वजह से उन्हें कई बार जेल भेजा गया।

तिलक अपने क्रांतिकारी विचारों के लिए भी जाने जाते थे। ऐसे भारत के वीर स्वतंत्रता सेनानी का निधन 1 अगस्त 1920 को मुंबई में हुआ।

डस्टी प्लेन बताएगा मुश्किलों से कैसे लड़ें

बच्चों को मौज मस्ती करना बहुत पसंद होता है। नए-नए कार्टून पिक्चर तथा फिल्म देखना बहुत पसंद आता है। इसलिए इस सप्ताह बच्चों के लिए हॉलीवुड से कई फिल्में आ रही हैं। पिछले शुक्रवार 'सर्म्फस 2' स्पहले पर्दे पर आई थी, जो एक फैमिली कॉमेडी फिल्म थी। इस बार एक एडवेंचर स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म स्पहले पर्दे पर दस्तक देगी। इस 3डी कम्प्यूटर एनिमेटिड फिल्म को हॉलीवुड के डिज्नी स्टूडियो द्वारा बनाया गया है। इससे पहले डिज्नी की कुछ और फिल्में भी आई थी। जिनमें मुख्य किरदार कारों ने निभाया था। अब डिज्नी की नई सीरिज में बनने वाली तीन फिल्मों में से यह पहली फिल्म है, जिसमें प्रमुख रोल कुछ हवाई जहाजों ने निभाया है। इस कहानी का हीरो है डस्टी नाम का एक हवाई जहाज, जिसकी तमन्ना है कि वह दुनिया का चक्कर लगाने वाली रेस में हिस्सा ले। लेकिन उसकी इस तमन्ना के रास्ते में कई मुश्किलें आ रही हैं। पहली तो यह कि डस्टी का निर्माण रेस के अनुसार नहीं किया गया है और दूसरी यह कि हवाई जहाज होने के बावजूद डस्टी को ऊंचाई से डर लगता है। अपने गुरुस्किपर के प्रोत्साहन पर डस्टी इस रेस के लिए क्वालीफाई तो कर जाता है, लेकिन अब उसका मुकाबला चैंपियन प्लेन रिपस्लिगर से है, जो जीतने के लिए कुछ भी कर सकता है। अब डस्टी को न सिर्फ इन बाहरी मुश्किलों से लड़ना है, बल्कि अपने अंदर के डर पर भी जीत हासिल करनी है। हॉलीवुड के कई मशहूर कलाकारों ने इस फिल्म के किरदारों को आवाज दी है। इसका सीक्वेल अगले साल 18 जुलाई को रिलीज होगा। डिज्नी इस फिल्म पर आधारित एक वीडियो गेम को लॉन्च करने जा रहा है।

मासूम शिकारी, ब्लैक विंग्ड काइट

बच्चों अगर आपसे कहा जाए की कितने पक्षी ऐसे हैं जो काफी खतरनाक होते हैं तो शायद आपको कुछ गिने चुने नाम ही याद आएंगे। लेकिन क्या तुम जानते हो एक ऐसा पक्षी भी है, जो है तो मूलतः यूरोप और अफ्रीका का, लेकिन अपना घर भारत में बसाना पसंद करता है। बड़ी सी काया वाला यह पक्षी दिखने में तो बहुत ही मासूम दिखता है, लेकिन इसका नाम लेते ही कई सारे छोटे पक्षियों को नानी याद आ जाती है। ब्लैक विंग्ड काइट नाम का यह एक शिकारी पक्षी है।

बहुत बड़े-बड़े ग्रे और सफेद रंग के पंख, कंधों पर काले धब्बे, उल्लू की तरह आंखें और काली चोंच इसे कुछ ज्यादा ही खास बनाती हैं। यह खुले क्षेत्र में रहना पसंद करता है।

भारत में ये सिक्किम, नीलगिरी, नागालैंड और पश्चिमी घाट के ऊंचे अक्षांशों में देखे जाते हैं, लेकिन अगर तुम चाहो तो इन्हें अपनी दिल्ली के यमुना बायोडाइवर्सिटी पार्क में भी आसानी से देख सकते हो।

टहनियों का ढीला सा प्लेटफॉर्म इनका घर होता है, जिसे बनाने में नर की अपेक्षा मादा अधिक मेहनत करती है। इन घोंसलों में मटमैले क्रीमी रंग के लाल धब्बों वाले 3-4 अंडे ही होते हैं, जिनसे निकले चूजों को 80 दिन तक भोजन कराना होता है और इसकी मुख्य जिम्मेदारी नर की होती है।

कामचोर बन्दर टीपू

टीपू बन्दर समय पर सभी को डाक लाकर दे देता था। टीपू ने देखा कि सबको उसकी आदत पड़ गयी है, तो उसने पैसों की जगह हर एक से केला लेना शुरूकर दिया। नतीजा यह हुआ कि अब काम खत्म करने के बाद टीपू को खाने की तलाश में इधर-उधर नहीं भटकना पड़ता था।

पंकज वन में टीपू नाम का एक बन्दर था। वह बाकी जानवरों में सबसे चालाक था। एक दिन रीतू हाथी और बिन्दु भालू एक साथ बैठे थे। सभी परेशान थे। उनकी परेशानी यह थी कि जब दूर-दराज से उनके नाम की कोई चिट्ठी आती थी तो उसे लाने में लंबू जिराफ काफी समय लगाता था। यही नहीं, बिना पैसे दिए कोई भी चिट्ठी उन्हें नहीं मिलती थी।

एक दिन सबने बैठकर इस मामले में सलाह की। यह फैसला किया गया कि पंकज वन का डाकिया टीपू बन्दर को बनाया जाए, क्योंकि वह चुस्त और चालाक है। सबने यह प्रस्ताव शेरखान के सामने रखा और उसी दिन से टीपू बन्दर को पंकज वन का डाकिया बना दिया गया। टीपू बन्दर समय पर सभी को डाक लाकर दे देता था। टीपू ने देखा कि उसे सभी चाहते हैं। समय बीतने के साथ उसने पैसों की जगह हर एक से केला लेना शुरू कर दिया। इसका एक फायदा यह होता था कि काम खत्म करने के बाद टीपू को खाने की तलाश में इधर-उधर नहीं भटकना पड़ता था। अब तो धीरे-धीरे टीपू बन्दर कामचोर होता गया और उसकी कामचोरी बढ़ती ही चली गई। उसने कोई न कोई बहाना बनाकर सभी से पैसे लेना भी शुरूकर दिया था।

जब सभी ने देखा कि टीपू कामचोर हो गया है और सभी से पैसे लेने लगा है तो सबने मिलकर पंकज वन में एक बैठक आयोजित की। बैठक में सभी जानवरों ने बताया कि कभी बीमारी का बहना बनाकर तो कभी कहीं जाने के नाम पर टीपू उनसे पैसे ऐंठ लेता है। फिर क्या था, सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय पारित किया कि अब टीपू बन्दर को हटा दिया जाए और बिन्दु भालू को डाकिया बना दिया जाए। यह बात हो ही रही थी कि रीतू हाथी बीच में कूद पड़ा और बोला, 'इस जंगल में कोई डाकिया नहीं है।

बाल कहानी

सभी जानवरों ने उससे कहा, 'अगर कोई डाकिया नहीं बनेगा तो हम सभी को चिट्ठी कैसे मिलेगी।'

रीतू ने कहा, 'हम सभी शहर में रहने वाले अपने रिश्तेदारों, दोस्तों, भाई-बहनों और माता-पिता को यह संदेश भिजवा दो कि वे अब चिट्ठी न लिखें। आप सभी देखेंगे कि ऐसा होने से टीपू बन्दर घर में बैठा रहेगा।

बिदु भालू ने कहा, 'वाह रीतू आपका विचार बहुत अच्छा है, पर शहर में किसी को कुछ हो गया तो खबर कैसे पता चलेगी।'

सभी जानवर एक साथ बोले, 'हां-हां बताओ कैसे पता चलेगा।?' रीतू हाथी ने कहा, ' शांत होकर मेरी बात सुनो। हम सब मिलकर एक साथ पंकज वन में एक बूथ खोलेंगे। लोग आराम से फोन पर बात कर लेंगे। सभी जानवर अपने-अपने घरों में टेलीफोन लगा लें, जिससे उन्हें कभी डाकिये के भरोसे रहना नहीं पडक़' यह सुनकर सभी जानवर बहुत खुश हो गए। जब ये सब बातें टीपू बन्दर ने सुनीं तो उसे अपनी भूल का एहसास हुआ। वह दौड़ता हुआ बैठक में पहुंचा और वहां जाकर सभी जानवरों से माफी मांगी। सभी ने उसे माफ किया और आगे से आलस न करने की बात कही। अब टीपू पहले की तरह चुस्त हो गया था। कभी भी किसी से रिश्वत नहीं मांगता था। अगर किसी जानवर को पढ़ना न आता हो तो वह उसे चिट्ठी पढ़कर भी सुना देता था।

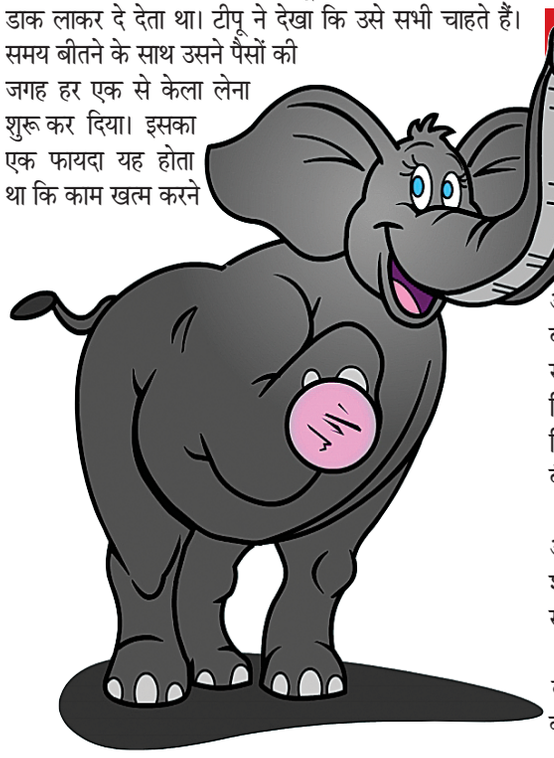

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डर लग रहा है, खुशियां छीन लेते हैं दुश्मन

कल मुंबई में शाम 4 बजे बिग बॉस 14 की पहली वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस खास मौके पर सलमान खान के साथ बिग बॉस 13 के विनर सिद्धार्थ शुक्ला नजर आए। हालांकि यह आयोजन प्रेस कॉन्फ्रेंस जैसा नहीं था, क्योंकि मीडिया से सवाल जरूर मांगे गए, लेकिन सलमान से मीडिया के कोई सवाल नहीं किए गए। जाहिर है सुशांत सिंह राजपूत केस के बाद सलमान खान को लेकर सोशल मीडिया में लोगों का जो गुस्सा है, सलमान उससे बचते नजर आए।

सलमान खान ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को पॉजिटिव बनाने के लिए कैंसर पीड़ित बच्चों की बात कर उनके प्रति हमदर्दी जताई। बार-बार और कई बार यह जताने-बताने की कोशिश की, बिग बॉस 14 की होस्टिंग कर वह बहुत से लोगों को रोजी-रोटी दे रहे हैं। उनका काम शुरू करना बहुत जरूरी है, इससे बहुत से लोगों को एम्पलॉयमेंट मिलेगा। सलमान ने यह भी कहा कि शूटिंग में आने से पहले उनको डर लग रहा था और लग रहा है। वजह है घर पर बच्चे और बुजुर्ग हैं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को सिद्धार्थ शुक्ला ने लीड किया।

आजकल किस से भी बहुत डर लगता है

आइए आपको विस्तार में बताएं कि सिद्धार्थ शुक्ला ने सलमान खान से कौन-कौन से सवाल किए। सिद्धार्थ ने सवाल किया, 'सर आपको इतने दिनों के बाद शूटिंग पर आकर कैसा लग रहा है? सलमान ने जवाब में कहा, 'डर लग रहा है मुझे। क्योंकि सभी लोगों ने पीपीई किट और मास्क-ग्लव्स पहना है, लेकिन फिर भी यह जो माइक मेरे शर्ट में लगी है, इसकी डिस्टेंस अगर आगे-पीछे होती है तो वह ठीक करने आते हैं तो लगता है मास्क पहने हुए कोई भी कभी भी नजदीप आकर किस कर देगा। आजकल छींक, खांसी और किस से भी बहुत डर लगता है। क्या आपको किसी चीज से डर लगता है। आपकी साथी शहनाज गिल कैसी हैं।'

कुछ लोग मेरे साथ होंगे तो कुछ मेरे अगेंस्ट होंगे

सिद्धार्थ ने अगला सवाल किया कि बिग बॉस 14 से आपको किस तरह की उम्मीद है? जवाब में सलमान ने कहा, 'जिंदगी आगे बढ़ने का नाम है। अगर बिग बॉस के फैन हैं तो उनका दिमाग बाकी चीजों से हटकर फिर इस तरफ आ जाएगा। रोजी-रोटी शुरू हो जाएगी। सोशल मीडिया में कुछ लोग बिग बॉस के घर में मेहमानों को सपॉर्ट करेंगे कुछ नहीं। कुछ लोग मेरे साथ होंगे तो कुछ मेरे अगेंस्ट होंगे और लोग जुड़ते जाएंगे क्योंकि लोग बिग बॉस को लेकर बहुत जज्बाती होते हैं। फैंस के बीच आपस में झगड़ा शुरू हो जाएगा। बस उनका यह आपसी झगड़ा थोड़ा सीमित और सही भाषा में हो।'

16 प्रतियोगी बिग बॉस के घर में जा रहे हैं, वह खुश होंगे

सलमान आगे कहते हैं, 'यह जो 16 प्रतियोगी बिग बॉस के घर में जा रहे हैं, वह खुश होंगे, क्योंकि उनको काम मिल रहा है। बाकी जगह शूटिंग बंद है, कहीं शूटिंग हो भी रही है तो किसी न किसी को कोविड होने की वजह से शूटिंग बंद हो जाती है, फिर शुरू होती है। अब ऐसे में यह जो लोग बिग बॉस के घर में जाने वाले हैं, वह सब लोग पहले 14 दिन कॉरेन्टाइन में रहेंगे, उसके बाद घर के अंदर जाएंगे तो अगले 3 से 4 महीने बहुत ही सेफ रहेंगे। अब घर में रहने वाले अंदर कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन जो लोग घर के बाहर होंगे उनको सावधानी रखनी होगी। इस बात की खुशी है कि बिग बॉस हो रहा है और इसकी वजह से बहुत से लोगों को रोजी-रोटी मिल रही है।'

जो दिखाई नहीं दे रहा उससे पंगा क्या लेना

सिद्धार्थ ने अगला सवाल किया, 'क्या आप शूटिंग में आने से पहले बहुत डर रहे थे, इतना डर क्यों था आपको? सलमान ने कहा, 'हां डर तो था, घरवालों के लिए डर था। घर में छोटा नवजात बच्चा है (बहन अर्पिता के बच्चे) मेरे बुजुर्ग माता-पिता हैं, हैं आंटी हैं। कई सीनियर सिटीजन फ्रेंड्स और उनके परेंट्स हैं। तो डर तो लगता हैं। इस कोरोना में शायद जितना डर खुद के लिए नहीं लगता, उससे ज्यादा डर अपने घरवालों के लिए लगता है। ऐसी बीमारी से क्या पंगा लेना, जो दिखाई नहीं देता, जिसने सारी दुनिया को बंद कर दिया। पंगा उससे लो जो दिखाई देता है।

रोजी-रोटी शुरू होगा तब 2020 को मिलेगा जवाब

काम तो सभी को शुरू करना पड़ेगा। काम करेंगे तो तभी तो जीडीपी पड़ेगा। जरूरत की चीजों के लिए पैसा चाहिए। हर कोई एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। आप अपनी जरूरत की चीज खरीदेंगे तो सामने वाला अपनी बचत कर सकेगा। काम तो करना पड़ेगा वरना खाने-पीने की तकलीफ हो जाएगी। आप इस 2020 के साल को एम्प्लॉयमेंट के साथ ही जवाब दे सकते हो। रोजी-रोटी शुरू होगा तब बिग बॉस का जवाब 2020 को मिलेगा। अपने फैंस यही कहूंगा कि जितने कम दुश्मन, उतने सुखी रहोगे आप। मैंने बीते 30 साल में इतनी छुट्टी नहीं ली, जितनी कि इस बीते 6 महीने में फोर्सफुली लेनी पड़ी। यह एक फोर्सफुल छुट्टी थी। पहले मेरी छुट्टी हुआ करती थी 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक, लेकिन जब से बिग बॉस कर रहा हूं, उसमे भी काम करना पड़ता है।

अपनी मधुर आवाज, बेमिसाल संगीत से हमेशा यादों में रहेंगे एस पी बालासुब्रमण्यम...

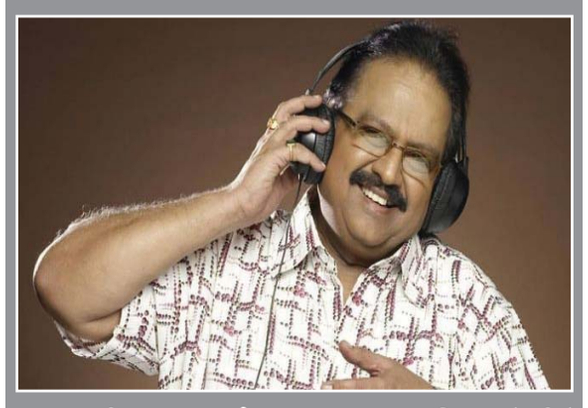

प्रख्यात पार्श्व गायक एस पी बालासुब्रमण्यम का निधन चेन्नई में शुक्रवार को 1.04 बजे एक निजी अस्पताल में हुआ। । वह 74 वर्ष के थे। कोविड़ा-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद, बालासुब्रमण्यम को 5 अगस्त को एमजीएम हेल्थकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, बालासुब्रमण्यम ने शुरूआत में ठीक रिकवरी कर ली थी लेकिन पिछले कुछ दिनों से उनकी हालत खराब हो गयी थी। 25 सितंबर को वह जिंदगी की जंग हार गये। 7 सितंबर को, उन्होंने कोविड़ा-19 के लिए नकारात्मक परीक्षण किया लेकिन उन्हें वेंटिलेटर पर ही रखा गया।

उनके निधन से सिनेमा सहित राजनीतिक गलियारों में भी शोक की लहर है। दिग्गज कलाकार को देश के प्रधान मंत्री से लेकर गृहमंत्री तक सभी ने श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके योगदान के लिए उन्हें याद कर रहे हैं।

अमित शाह ने मशहूर गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम को किया याद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मशहूर गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम के निधन पर शुक्रवार को शोक प्रकट करते हुए कहा कि उनकी मधुर आवाज और बेमिसाल संगीत हमेशा लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी। कोरोना वायरस की चपेट में आए 74-वर्षीय बालासुब्रमण्यम का शुक्रवार को चेन्नई के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। अगस्त में संक्रमण की पुष्टि के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शाह ने ट्वीट किया, ''पार्श्व गायक और पद्मश्री एस पी बालासुब्रमण्यम के निधन से गहरा दुख पहुंचा है। वह अपनी मधुर आवाज और बेमिसाल संगीत के लिए हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेंगे। मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और चाहने वालों के साथ है। ओम शांति।'' बालासुब्रमण्यम ने अपने पांच दशक से अधिक लंबे करियर में अपनी गायकी से लाखों दिलों को जीता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मशहूर गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मशहूर गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम के निधन पर शुक्रवार को शोक जताते हुए कहा कि दशकों तक अपनी आवाज से लोगों को मंत्रमुग्ध कर देने वाली इस शख्सियत के दुनिया को अलविदा कहने से सांस्कृतिक दुनिया को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने ट्वीट कर अपने शोक संदेश में कहा, ''एस पी बालासुब्रमण्यम के दुर्भाग्यपूर्ण निधन से हमारी सांस्कृतिक दुनिया को काफी नुकसान हुआ है। वह देश भर में मशहूर थे और उनकी मधुर आवाज और संगीत ने दशकों तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ है। ओम शांति।''

स्कॉटलैंड में 'बेलबॉटम' की शूटिंग कर रहे अक्षय कुमार, एक्टर के साथ फोटो खिंचवाने के लिए होटल के बाहर लगी फैंस की लाइन

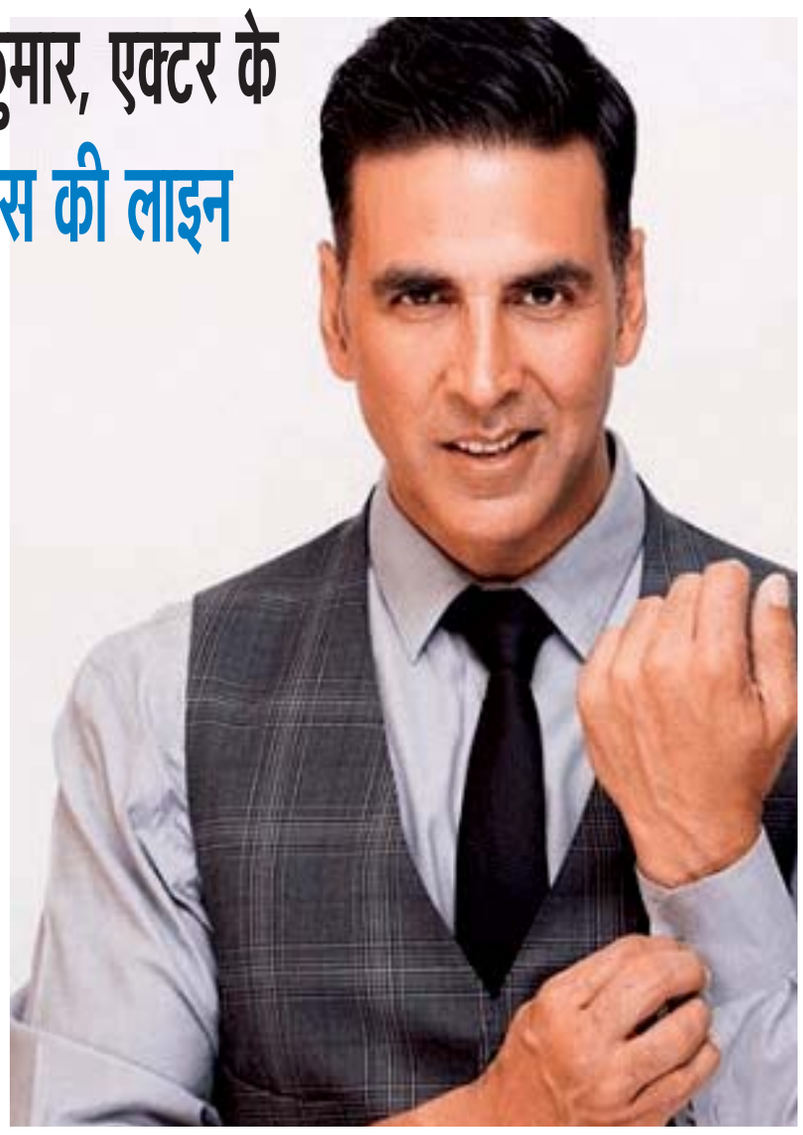

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार एक के एक बाद फिल्म रिलीज के लिए जाने जाते हैं। कोरोनावायरस की वजह से एक्टर की कई फिल्म रिलीज होना बाकी है और कई प्रोजेक्ट अटक गए थे। अब अक्षय कुमार दोबारा काम पर लौट चुके हैं। अक्षय कुमार बीते कुछ वक्त से स्कॉटलैंड में फिल्म 'बेलबॉटम' की शूटिंग कर रहे हैं।

अक्षय कुमार और उनके को-स्टार्स शूटिंग के दौरान की कई तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। लेकिन अब सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें वायरल हुई हैं जिन्हें फैंस ने अक्षय के साथ खिंचवाया है।

तस्वीरों में अक्षय अपने फैंस के साथ खड़े तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार के साथ खिंचवाने के लिए होटल के बाहर फैंस की कतार लग गई।

अक्षय कुमार ने अपने किसी भी फैंस को निराश नहीं किया और सभीके साथ फोटो खिंचवाए। तस्वीरों में अक्षय हमेशा की तरह स्पोर्टी लुक में काफी कूल नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार कोरोनावायरस के इस दौर में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए तस्वीर खिंचवाते नजर आए।

हाल ही में अक्षय कुमार अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर गुरुद्वारे भी पहुंचे। जहां उन्होंने मत्था टेका और कुछ देर ईश्वर की अराधना की।

तस्वीर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन दिया, 'आज की धन्य सुबह...आज गुरुद्वारा में 10 मिनट बिताए और मैंने शांति का अनुभव किया, जो महीनों से मेरे पास नहीं थी।'

बता दें कि डायरेक्टर रणजीत तिवारी की फिल्म 'बेल बॉटम' में अक्षय कुमार के अलावा वाणी कपूर, लारा दत्त और हुमा कुरैशी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी।

आमिर खान बने सिएट के ब्रांड एम्बेसेडर, आईपीएल मैचों के दौरान 2 विज्ञापनों में देंगे दिखाई

आरपीजी समूह की कंपनी सिएट टायर्स ने बॉलीवुड एक्टर आमिर खान को अपना ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया है। आमिर खान विभिन्न मीडिया मंचों पर कंपनी के प्रचार अभियान का हिस्सा बनेंगे।

कंपनी ने कहा कि आमिर खान भारतीय फिल्म उद्योग के सबसे अधिक प्रतिभाशाली अभिनेताओं में हैं। कंपनी ने उन्हें 2 साल के लिए अपना ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है।

कंपनी ने कहा कि एकीकृत मार्केटिंग अभियान के तहत आमिर खान दुबई में चल रही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान 2 विज्ञापनों में दिखाई देंगे। पहले विज्ञापन का प्रसारण शनिवार से शुरू होगा। यह विज्ञापन सिएट के सिक्योराड्राइव रेंज के प्रीमियम कार टायरों के बारे में है।

सिएट टायर्स ने कहा कि पहला विज्ञापन ऑनलाइन और ऑफलाइन विभिन्न मीडिया मंचों पर दिखेगा। सिएट सिक्योराड्राइव टायरों का इस्तेमाल विभिन्न प्रीमियम सेडान और कॉम्पैक्ट एसयूवी मसलन होंडा सिटी, स्कोडा ऑक्टाविया, टोयोटा कोरोला, हुंदै क्रेटा, मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा और अन्य कारों में होता है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की तैयारियों में बिजी है। इस फिल्म में वे एक्ट्रेस करीना कपूर के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म लाल सिंह चड्ढा क्रिसमस के मौके पर 2021 में रिलीज होगी।